www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 327 || अम्बेडकरनगर
रविवार
22 फरवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:38
सूर्यास्तः 06:02
अधिकतमः 28°00
न्यूनतमः 14°00

पेज 07

विशेष समाचार संघ कल आज और कल... >> पेज 04 | एनकाउंटर का डर दिखाकर ... >> पेज 06 | रणवीर सिंह को मिली धमकी ...

पीएम मोदी ने नोएडा में इंडिया चिप की नींव रखी

चिप बाजार में चमकेगा गौतमबुद्धनगर

योगी बोले- पिछली सरकारों में गोलियां चलती थीं, आज जेवर देश का गहना बना

उद्घाटन

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा । पीएम मोदी ने ग्रेटर नोएडा के यमुना सिटी में इंडिया चिप सेमीकंडक्टर यूनिट का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा- आज भारत विकसित होने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रहा है। भारत के पास रुकने का समय नहीं है। 2026 की शुरुआत से ही देश ने अपनी कदम ताल तेज कर दी है। ये नई फैक्ट्री टेक्नोलॉजी पावर हाउस के रूप में काम करेगी। इंडिया चिप सेमीकंडक्टर यूनिट से यूपी के युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा। बीते 11 सालों में भारत ने बार-बार सिखाया है कि हम जो ठानते हैं, वो हासिल करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों में यहां गोलियां चलती थीं। आज जेवर प्रदेश का जेवर बनकर उभर रहा है। इस दौरान रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव भी मौजूद रहे।

>> (शेष पेज 06 पर)

फैक्ट्री की वजह से युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा

इंडिया चिप का उद्घाटन करने के बाद पीएम मोदी ने संबोधित करते हुए कहा- आज भारत विकसित होने के लक्ष्य पर बहुत तेजी से काम कर रहा है। भारत के पास थमने और रुकने का समय नहीं है। 2026 की शुरुआत से ही भारत ने अपने कदम अपनी ताल तेज कर दी हे। 12 जनवरी को विकिसत भारत डॉयलाग से जुड़े। 16 जनवरी को नेशनल स्टार्टअप डे मनाया। जनवरी को इंडिया एनर्जी सब्मिट में ध्यान खींचा। फिर बजट आया।

>> (शेष पेज 06 पर)

इस सप्ताह भी भारत के लिए एतिहासिक सिद्ध हो रहा है। ग्लोबल समिट में दुनिया के अनेक देश के राष्ट्र, अध्यक्ष टेक्नोलॉजी के दिग्गज जुटे। भारत के एआई समार्थ्य को देखा और सराहा। समिट कल ही समाप्त हुई है। और आज हम यहां सेमी कंडक्टर के इतने बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बन रहे है।

योगी बोले- पहले लोग शाम को घर से नहीं निकलते थे

सीएम योगी ने कहा- पीएम ने देश को टेक्नॉलॉजी के रूप में विकसित किया है। पिछली सरकारों में यहां गोलियां चलती थी, अपहरण होते थे। अराजकता होती थी। लोग सूर्यास्त होने के बाद घर से बाहर नहीं निकल पाते थे। भारत सरकार नए विजन को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। पीएम मोदी की सकारात्मक भूमिका ही है, जिसके कारण मोबाइल और इलेक्ट्रानिक हब के रुप में विकसित हो रहा है।

रेल मंत्री ने कहा- ये ऐतिहासिक दिन

रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा- आज का दिन एतिहासिक है। सबसे पहला सेमी कंडक्टर प्लांट जेवर की भूमि में रख रहे हैं। सेमीकंडक्टर फांउडेशन टेक्नॉलाजी है। सेमी कंडक्टर जिस देश में होता है, वहां पर कई तरह की मैन्यूफैक्चरिंग संभव हो जाती है। साढ़े ग्यारह साल में पीएम ने किस तरह से देश को पावर हाउस बना दिया। जहां इलेक्ट्रॉनिक्स नगण्य थी, वहां 12 लाख करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स मन्युफैक्चरिंग है।

अमेरिकी टैरिफ डील, राहुल बोले- मोदी ने विश्वासघात किया

नई दिल्ली । अमेरिकी टैरिफ डील पर विपक्ष फिर मोदी सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पीएम मोदी पर समझौता करने का आरोप लगाया। कहा कि उनका विश्वासघात अब उजागर हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि पीएम इस व्यापार समझौते में फिर से आत्मसमर्पण कर देंगे।

उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार किए बिना मोदी सरकार ने इतनी जल्दबाजी में एक ट्रैप डील में शामिल क्यों हुए, जिसने भारत से भारी रियायतें छीन लीं।

बता दें अमेरिका ने 2 फरवरी को भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ घटाकर 18% किया था। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 20 फरवरी को बताया कि अमेरिका के साथ 'अंतरिम व्यापार समझौता' फरवरी के अंत तक फाइनल हो जाएगा।

अजित पवार के भतीजे का आरोप 'प्लेन क्रैश साजिश, दुर्घटना के समय कई धमाके हुए थे'

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/बारामती/मुंबई । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने शनिवार को अजित पवार के प्लेन क्रैश पर फिर सवाल उठाए। उन्होंने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्क्रीन पर डेटा और फोटो दिखाए। उन्होंने कहा कि ब्लैक बॉक्स को लेकर शक जताया जा रहा था। उनके मुताबिक, दुर्घटना के समय सिर्फ एक धमाका नहीं हुआ था, बल्कि कई धमाके हुए थे। विमान में सामान रखने वाली जगह पर अतिरिक्त पेट्रोल के डिब्बे रखे गए थे, जिससे आग भड़की। सभी पहलुओं की गहराई से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर साजिश की बात करें तो यह दो तरह की हो सकती है, राजनीतिक या व्यावसायिक। अभी यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस मामले में किस तरह की साजिश शामिल है।

विमान में पेट्रोल के डिब्बे रखे गए थे
- रोहित पवार

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट, बढ़ाई गई सुरक्षा

मंदिर भी निशाने पर, धार्मिक-ऐतिहासिक जगहों की सिक्योरिटी बढ़ाई

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद दिल्ली में सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लाल किले के आसपास आईईडी ब्लास्ट की आशंका को लेकर अलर्ट जारी किया है। खुफिया जानकारी के अनुसार पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) ने भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को अपने निशाने पर रखा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

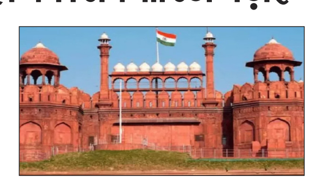

सीसीटीवी निगरानी बढ़ाई गई

दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां मिलकर स्थिति पर नजर रख रही हैं। संवेदनशील इलाकों में CCTV से निगरानी, वाहनों की जांच और अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। साथ ही बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और क्विक रिएक्शन टीमों को तैनात की गई हैं।

सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तुरंत पुलिस या आपात सेवाओं को सूचना देने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, यह कदम केवल सावधानी के तौर पर उठाए गए हैं।

फास्ट न्यूज

दिल्ली में कार की टक्कर से डिलीवरी बॉय की मौत

बेंगलुरु । दिल्ली में शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। हादसा रात 3.26 बजे सुभाष नगर मेट्रो रेड लाइट के पास राजौरी गार्डन की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ।

आरोप दावा

प. बंगाल में एसआईआर

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में दो-तीन माह ही बचे हैं। यहां अभी भाषण और रैलियों का शोर नहीं है। लेकिन, सियासत भरपूर गर्म है। कोलकाता के न्यू मार्केट से चांदनी चौक, न्यू टाउन से जेसप बिल्डिंग और मुर्शिदाबाद के बेलडांगा से बर्द्धमान तक करीब 600 किमी के सफर में साफ हो गया कि अभी वोटर लिस्ट ही चुनावी रणभूमि बनी हुई है। कोलकाता के एक वरिष्ठ पत्रकार कहते हैं कि ममता बनर्जी ने SIR की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट ले जाकर अपनी जुझारू छवि फिर हाईलाइट की है। टीएमसी उनके सुप्रीम कोर्ट के वीडियो वायरल कर रही है।

एमपी में 20 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में आज से मौसम में बदलाव दिखा है। मध्य प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और टर्फ की एक्टिविटी की वजह से 4 दिन तक आंधी-बारिश का अलर्ट है। एक दिन पहले भी 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। राजस्थान में तापमान चढ़ने के साथ ही सर्दी घटने लगी है।

एआई समिट : महाराष्ट्र में राहुल को काले झंडे दिखाए

अखिलेश, मायावती ने कांग्रेस के प्रदर्शन को गलत बताया

निन्दनीय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई/गुजरात । सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा चीफ मायावती ने दिल्ली के भारत मंडपम में AI समिट में शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदर्शन को गलत बताया है। अखिलेश ने कहा, जब दुनियाभर से डेलीगेट्स आये हो तो ऐसा हंगामा नहीं करना चाहिए। सरकार से लड़ाई हमारा इंटर्नल मामला है, फॉरेन डेलीगेट्स के सामने हमारे देश का अपमान होता है।

मायावती ने X पर लिखा- कांग्रेस का प्रदर्शन निन्दनीय है। अगर यह सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, लेकिन AI समिट के दौरान ऐसा व्यवहार करना चिन्ता की बात है। इधर, कांग्रेस के AI समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन किया।

एआई समिट में हंगामा करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भाजपा ने गद्दार कहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रयागराज कोर्ट ने आदेश दिया, शंकराचार्य बोले- रामभद्राचार्य ने झूठा केस कराया

अविमुक्तेश्वरानंद पर बच्चों के यौन शोषण का केस होगा दर्ज

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण की FIR दर्ज करने के आदेश शनिवार को प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट ने दिए।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने कोर्ट में 2 बच्चों को पेश करके यह आरोप लगाए थे। कोर्ट में कैमरे के सामने बच्चों के बयान दर्ज हुए थे।

स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट विनोद कुमार चौरसिया की कोर्ट ने प्रयागराज पुलिस कमिश्नर की जांच रिपोर्ट के बाद शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद और 2-3 अज्ञात पर केस दर्ज करने के आदेश जारी किए।

अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य | मुकुंदानंद शंकराचार्य शिष्य

>> (शेष पेज 06 पर)

अदालत ने माना- शंकराचार्य और उनके शिष्य पर गंभीर आरोप

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया। कहा, हर मामले में FIR दर्ज करना अनिवार्य नहीं होता। मजिस्ट्रेट को अपने विवेक से तय करना होता है कि FIR का निर्देश दिया जाए या शिकायत के रूप में आगे बढ़ाया जाए। यदि मामले में पुलिस जांच जरूरी हो, तो FIR दर्ज कर जांच करना उचित होता है। कोर्ट ने कहा, आरोप गंभीर और संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आते हैं और पॉक्सो अधिनियम लागू होता है। साक्ष्य जुटाने के लिए पुलिस जांच आवश्यक है। >> (शेष पेज 06 पर)

आशुतोष ब्रह्मचारी का डिप्टी सीएम और अखिलेश यादव को चैलेंज

आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा- अखिलेश यादव और डिप्टी सीएम से कहना चाहता हूं कि मेरे साथ पैदल यात्रा में चलिए। विद्यामठ, बनारस जा रहा हूं, जहां शंकराचार्य रंगरलियां मनाते हैं। पंचम तल दिखाना चाहता हूं, जहां पर इनका शीश महल है। वहां इनकी सखियां रहती हैं, जिनका नाम भी पता है।

आज से मेरी पैदल यात्रा चलेगी। हम न्याय के लिए दर-दर लोगों के बीच में जाएंगे। लोगों को ऐसे पद पर नहीं बैठना चाहिए। ये लोग जेल के अंदर होने चाहिए। इसलिए हम लोग आज से यात्रा शुरू कर रहे हैं।

सुनवाई : न्यायालय में हत्या प्रकरण में तीन आरोपियों पर दोष तय, गिरेंद्र कुमार पांडेय दोषमुक्त

अजय प्रताप सिंह समेत मुलायम यादव और अजय यादव दोषी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकर नगर । न्यायालय में हत्या के बाद शव को दूसरे स्थान पर फेंकने के मामले में तीन आरोपियों पर दोष तय कर दिया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) रामविलास सिंह ने कटेहरी के पूर्व ब्लॉक प्रमुख माफिया अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही, मुलायम यादव और अजय यादव को हत्या समेत अन्य आरोपों में दोषी करार दिया। सजा के बिंदु पर सुनवाई 24 फरवरी को होगी। सत्र परीक्षण के दौरान सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सुभाष चंद्र यादव ने गवाहों को न्यायालय में परीक्षित कराते हुए दोष सिद्धि का तर्क प्रस्तुत किया। सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए जेल भेज दिया। गिरेंद्र कुमार पांडेय को दोषमुक्त कर दिया गया। मामला सुलतानपुर जिले के दोस्तपुर थाना क्षेत्र के किशनागरपुर गांव का है। 23 मार्च 2016 को मंशाराम यादव के घर मुलायम यादव और अजय कुमार यादव पहुंचे। उन्होंने महरुआ दुकान चलने की बात कहकर मंशाराम को अपने साथ ले लिया। कई घंटों तक घर न लौटने पर स्वजन ने खोजबीन की तो पता चला कि आरोपी उसे लोकनाथपुर गांव के दावत में ले गए थे। वहां

>> (शेष पेज 06 पर)

> अगली सुनवाई में न्यायालय सजा के बिंदु पर निर्णय लेगा। इससे पूर्व न्यायिक प्रक्रिया और गवाहों की तस्दीक के आधार पर आरोपियों की जिम्मेदारी तय हो चुकी है। इससे इलाके में कानून व्यवस्था और न्यायपालिका की सक्रियता पर भी भरोसा बढ़ा है।

न्यायिक कार्रवाई

न्यायालय ने सत्र परीक्षण के दौरान गवाहों की तस्दीक के बाद दोष सिद्धि करते हुए तीनों को जेल भेजा। आरोपितों के विरुद्ध सजा की सुनवाई 24 फरवरी को होगी। इस मामले में दोष सिद्ध होने से क्षेत्र में कानून की जवाबदेही पर जोर देने वाली कार्रवाई को महत्व मिला है। इस निर्णय के बाद जिले में हत्या जैसे संगीन मामलों में न्यायिक प्रक्रिया की प्रभावशीलता पर ध्यान देने की दिशा में संदेश गया। घटना और दोष सिद्धि की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्रवासियों ने पुलिस और न्यायालय की कार्रवाई की सराहना की है।

आरोपी और साजिश

विवेचना में पाया गया कि मुलायम यादव, अजय यादव और अजय प्रताप सिंह के साथ-साथ विजय प्रताप सिंह, रवींद्र पांडेय और अन्य ने साजिश के तहत मंशाराम यादव की हत्या की। मामला महरुआ थाना क्षेत्र का होने के कारण इसे सुलतानपुर जिले के महरुआ थाना में स्थानांतरित किया गया। पुलिस ने आरोपितों के विरुद्ध हत्या समेत अन्य आरोपों में आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

एसआईआर, राजस्थान, एमपी समेत 4 राज्यों में 99.58 लाख नाम कटे

7 राज्यों-यूटी में एसआईआर की फाइनल लिस्ट पब्लिश

तमसा संकेत, एजेंसी

जयपुर/रायपुर । देश के 12 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेश में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) का दूसरा फेज अपने अंतिम चरण में है। चुनाव आयोग ने शनिवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और केरल की फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश की।

एमपी में 5.39 करोड़, राजस्थान में 5.15 करोड़, केरल में 2.69 करोड़ और छत्तीसगढ़ में 1.87 करोड़ नाम फाइनल वोटर लिस्ट में है। इन चार राज्यों में कुल 99 लाख, 58 हजार 398 वोटर के नाम हटाए गए हैं। SIR प्रक्रिया में एमपी में 34.25 लाख, राजस्थान में 31.36 लाख, छत्तीसगढ़ में 24.99 लाख और केरल में 8.97 लाख लोगों के नाम कटे। अब तक कुल 7 राज्यों-UT की फाइनल लिस्ट आ चुकी है। लक्षद्वीप, पुडुचेरी की अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी और गुजरात की 17 फरवरी को जारी हुई थी। तमिलनाडु में 23 और पश्चिम बंगाल में 28 फरवरी को लिस्ट आ सकती है।

उत्तर प्रदेश-राजस्थान समेत 12 राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया 27 अक्टूबर 2025 से शुरु हुई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी बजट सत्र खत्म, 'लखनऊ दर्शन' बस में फिर शामिल हुई विधानसभा की सैर

इलेक्ट्रिक डबल डेकर से राजधानी के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण

खुशखबरी

- उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की पहल, इलेक्ट्रिक डबल डेकर से राजधानी के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण
- रिंग थियेटर से जीपीओ तक, काकोरी कांड की गूंज के बीच इतिहास और लोकतंत्र से रूबरू होने का मौका

तमसा संकेत, संवाददाता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया, "बजट सत्र की समाप्ति के साथ ही उत्तर प्रदेश विधानसभा का भ्रमण दोबारा शुरू किया जा रहा है।

इतिहास के साथ लोकतंत्र को भी समझेंगे पर्यटक, सरकार पर्यटन विस्तार को प्रतिबद्ध- मंत्री जयवीर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का बजट सत्र समाप्त होते ही राजधानी के पर्यटन प्रेमियों के लिए एक खुशखबरी है। अब 'लखनऊ दर्शन' बस सेवा के जरिए पर्यटक एक बार फिर से भव्य और ऐतिहासिक उत्तर प्रदेश विधानसभा भवन का भ्रमण कर सकेंगे। बजट सत्र के दौरान सुरक्षा कारणों से विधानसभा भ्रमण अस्थायी रूप से रोक दिया गया था, लेकिन अब लोकतंत्र का यह दरबार आम लोगों के स्वागत के लिए फिर से तैयार है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि, भव्य स्थापत्य, विशाल गुंबद और ऐतिहासिक महत्व से भरपूर विधानसभा भवन राजधानी की पहचान है। इसके दोबारा टूर में शामिल होने से 'लखनऊ दर्शन' और भी आकर्षक हो गया है। लखनऊ दर्शन बस के प्रमुख स्थलों में एक जीपीओ भी है। जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। 9 अगस्त 1925 को काकोरी में सरकारी खजाना लूट की घटना के बाद अंग्रेज सरकार ने इसे बगावत मानते हुए करीब 40 क्रांतिकारियों को गिरफ्तार किया। सुरक्षा कारणों से लखनऊ के तत्कालीन रिंग थियेटर (आज का जनरल पोस्ट ऑफिस लखनऊ) में विशेष अदालत बनाई गई, जहां लगभग 10 महीने तक मुकदमा चला।

इलेक्ट्रिक डबल डेकर से करें लखनऊ की सैर

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) की 'लखनऊ दर्शन' इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस सेवा प्रतिदिन सुबह और शाम दो पालियों में 1090 चौराहे से संचालित होती है, जो पर्यटकों को राजधानी के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्थलों का भ्रमण कराती है। विधानसभा भवन दोबारा शामिल होने से टूर का आकर्षण और बढ़ गया है। टिकट आधिकारिक वेबसाइट या प्रस्थान स्थल से ली जा सकती है। किराया वयस्कों के लिए 500 और बच्चों के लिए 400 निर्धारित है। बस में प्रशिक्षित टूर गाइड जानकारी देते हैं और इलेक्ट्रिक बस होने से सफर पर्यावरण के अनुकूल व आरामदायक रहता है।

युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास मिशन की नई पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

- कौशल प्रशिक्षण में गुणवत्ता सुधार को योगी सरकार का बड़ा कदम, नई ग्रेडिंग नीति लागू

लखनऊ । प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता सुधारने के लिए नई परफॉरमेंस-बेस्ड ग्रेडिंग नीति लागू की है। योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और युवाओं की रोजगार क्षमता को सशक्त बनाना है। मंत्री अग्रवाल ने बताया कि योगी सरकार कौशल विकास को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। पारदर्शी मूल्यांकन और गुणवत्ता आधारित प्रतिस्पर्धा से प्रदेश के युवाओं को विश्वस्तरीय कौशल प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उन्हें बेहतर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। नई नीति के तहत प्रशिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन हर वर्ष फरवरी के अंतिम दिन तक पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा और मार्च में ग्रेडिंग को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके आधार पर अप्रैल माह में प्रशिक्षण केंद्रों को नए लक्ष्य आवंटित किए जाएंगे। वर्ष 2026-27 के लिए ग्रेडिंग वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के औसत प्रदर्शन के आधार पर तय होगी, जिससे एक वर्ष के बजाय दीर्घकालिक कार्यक्षमता का संतुलित आकलन संभव हो सकेगा। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि केवल वही संस्थान ग्रेडिंग प्रक्रिया में शामिल होंगे जो फरवरी तक एम्पैनल हों और डिबार या ब्लैकलिस्ट न हों।

फास्ट न्यूज

हर्ष फायरिंग में एलडीए के ड्राइवर की मौत

लखनऊ । लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में शादी समारोह में गोली लगने से 50 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। शुक्रवार रात अपने दोस्त के बेटे की शादी में शामिल होने गए थे। टेंट के पीछे दोस्तों के साथ बैठे थे। तभी सीधे दाएं पैर की जांघ पर अचानक गोली जाकर लगी। आनन-फानन में घायल हालात में अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

राहुल गांधी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ । लखनऊ में राहुल गांधी के खिलाफ भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने VVIP गेस्ट हाउस के सामने से कांग्रेस दफ्तर की ओर कूच किया। इस दौरान पुलिस ने रोड को बैरिकेड करके पूरी तरह जाम कर दिया है। कार्यकर्ताओं ने 'राहुल गांधी होश में आओ, होश में आओ' और 'राहुल गांधी मुर्दाबाद, मुर्दाबाद' जैसे नारे लगाए और कांग्रेस नेता का पुतला जला दिया। इस प्रदर्शन में लखनऊ के भाजयुमो महानगर, भाजपा पार्षद और अन्य पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता VVIP गेस्ट हाउस के पास इकट्ठा हुए।

लखनऊ में गाड़ी की टक्कर से युवक की मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 32 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वह राजमिस्त्री का काम करता था। उसकी पहचान संजय यादव के रूप में हुई। शुक्रवार रात किसी तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी थी, जिससे संजय गंभीर रूप से घायल हो गया था। शनिवार सुबह इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

यूपी बोर्ड परीक्षा : ड्यूटी से गायब 19 अधिकारियों की सैलरी रोकी

तमसा संकेत, एजेंसी

- लखनऊ डीएम ने ट्रेजरी को लेटर लिखा, बोले- दूसरे कर्मचारियों को सबक मिलेगा

लखनऊ । लखनऊ में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल-इंटरमीडिएट परीक्षा से गायब मिले 19 अधिकारियों की सैलरी रोक ली गई है। हाल में निरीक्षण में 19 स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपने-अपने परीक्षा केंद्रों से अनुपस्थित पाए गए थे।

DM विशाख जी ने तत्काल प्रभाव से सभी संबंधित अधिकारियों की सैलरी अगले आदेश तक रोकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही शो कॉज नोटिस जारी किया है। डीएम बोले- परीक्षा जैसे संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बोर्ड परीक्षा-2026 को सकुशल, निर्विघ्न और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के 121 परीक्षा केंद्रों पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को स्टैटिक मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया था।

इसके लिए 6 फरवरी 2026 को जारी अलग-अलग आदेशों के माध्यम से अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई थी। इनका दायित्व परीक्षा केंद्रों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखना, नकल रोकना और परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करना था। जिला विद्यालय निरीक्षक ने 18 फरवरी 2026 को भेजी गई आख्या में यह जानकारी दी गई कि प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान 19 परीक्षा केंद्रों पर नियुक्त स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपने परीक्षा केन्द्रों पर उपस्थित नहीं हुए।

शैक्षणिक भ्रमण से बढ़ी ऐतिहासिक समझ, 70 छात्रों ने लिया यूथ हेरिटेज प्रोग्राम में हिस्सा

'यूथ हेरिटेज लीडरशिप प्रोग्राम' का आयोजन

छतर मंजिल से जरनैल कोठी तक, छात्रों ने जाना लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों का महत्व

- ऐतिहासिक धरोहरों पर गर्व करें युवा, संरक्षण में निभाएं सक्रिय भूमिका
- विरासत केवल अतीत नहीं, हमारी पहचान है - जयवीर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय विरासत के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय "यूथ हेरिटेज लीडरशिप प्रोग्राम" का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय (संस्कृति विभाग) द्वारा आयोजित किया गया। भारतीय संस्कृति और विरासत के संरक्षण व प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से चल रहे कार्यक्रमों की इसी श्रृंखला में यह पहल की गई। कार्यक्रम का आयोजन इतिहास संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के महत्व से परिचित कराना और उन्हें विरासत संरक्षण के लिए नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करना था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। विद्यार्थियों ने राजधानी लखनऊ की छतर मंजिल और जनरल कोठी, कैसरबाग का भ्रमण किया। इस दौरान इन स्थलों के इतिहास, स्थापत्य शैली और संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी सरल और स्पष्ट भाषा में दी गई, ताकि छात्र इन धरोहरों को बेहतर तरीके से समझ सकें। इस दौरान निदेशक सुश्री रेनू द्विवेदी ने विद्यार्थियों को विरासत की परिभाषा, स्वरूप, प्रकृति और उसकी पहचान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने संवाद के माध्यम से समझाया कि सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। साथ ही विद्यार्थियों को अपनी विरासत के प्रति जागरूक, संवेदनशील और जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित किया।

जयवीर सिंह ने अपने विचार प्रकट किए

इस कार्यक्रम पर अपने विचार प्रकट करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि "इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ऐतिहासिक इमारतों का भ्रमण कराना नहीं है, बल्कि युवाओं को अपनी विरासत से भावनात्मक रूप से जोड़ना है। ताकि वे इन धरोहरों को समझें और उन पर गर्व करें। उन्होंने बताया विरासत केवल अतीत की याद नहीं, बल्कि हमारी पहचान और भविष्य की दिशा भी है। इसलिए युवा पीढ़ी जागरूक और संवेदनशील बनकर सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं।"

लखनऊ पुलिस से धक्का-मुक्की, कपड़े उतारे, अलंकार अग्निहोत्री बोले- बीजेपी से छिटका सवर्ण

यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन

तमस संकेत, संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ में UGC रेगुलेशन के खिलाफ शनिवार को सवर्ण मोर्चा सड़क पर उतर गया। सैकड़ों प्रदर्शनकारी हाथ में तिरंगा लेकर आगे बढ़ रहे थे, पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग करके रोक लिया। इससे नाराज प्रदर्शनकारी कपड़े उतारकर सड़क पर बैठ गए।

कुछ बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पुलिस ने उन्हें खींच-खींचकर नीचे उतारा। कुछ पुलिस बस की छत पर चढ़ने लगे। इस दौरान उनकी पुलिस से तीखी बहस हुई। धक्का-मुक्की हुई। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बस में ठूस-ठूसकर भरा और इको गार्डन ले गई।

UGC रेगुलेशन के खिलाफ इस्तीफा देने वाले पूर्व बरेली सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। कहा-सवर्ण और ओबीसी वर्ग भाजपा से छिटक चुका है। हम जल्द ही नई राजनीतिक पार्टी लॉन्च करेंगे। जनता को भाजपा का विकल्प उपलब्ध कराएंगे। भाजपा सिर्फ विदेशी जनता पार्टी बनकर रह गई है। करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी ने कहा कि UGC रेगुलेशन पर सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप है। हम प्रदर्शन न करते लेकिन कुछ संगठन लगातार इसके समर्थन में प्रदर्शन कर रहे हैं। इसीलिए हमको उनके विरोध में प्रदर्शन करना पड़ रहा है।

अलंकार अग्निहोत्री भी प्रदर्शन में पहुंचे, बोले- बीजेपी का विकल्प ला रहे

बरेली सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री भी UGC के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि BJP बंट चुकी है। RSS में दो विचारधारा हो गई है जिससे उसमें भी दो-फाड़ है। हम राजनीतिक पार्टी लेकर आ रहे हैं। बीजेपी का विकल्प लेकर आ रहे हैं।

परिवर्तन चौक पर लगा लंबा जाम, वाहनों की लंबी कतार लगी

परिवर्तन चौक पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की वजह से हजरतगंज की ओर जाने वाले रूट पर लंबा जाम लग गया। यही स्थिति हजरतगंज से आने वाले रूट पर रही। परिवर्तन चौक पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार देखने को मिली।

प्रदर्शनकारी परिवर्तन चौक से गांधी प्रतिमा जाने वाले थे, लेकिन केडी बाबू स्टेडियम के पास ही पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस बीच, शहर के ही मोहनलालगंज इलाके में श्रीराजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह 'दीपू' को हाउस अरेस्ट कर लिया गया।

750 लीटर मिलावटी सरसों तेल और रंग-एसेंस सीज

बुद्धेश्वर में जनरल स्टोर पर छापेमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने शनिवार को बुद्धेश्वर स्थित एक जनरल स्टोर पर छापेमारी की। जांच के दौरान यहां राइस ब्रान ऑयल में कृत्रिम रंग और एसेंस मिलाकर उसे शुद्ध सरसों तेल के रूप में बेचने का खुलासा हुआ। टीम ने मौके से 750 लीटर तेल समेत रंग और एसेंस जब्त कर नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। FSDA टीम ने बुद्धेश्वर स्थित शिवम जनरल स्टोर पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान टीम को संदेह हुआ कि परिसर में बड़े पैमाने पर तेल में मिलावट का काम चल रहा है। जांच में सामने आया कि राइस ब्रान ऑयल में प्रतिबंधित रंग और एसेंस मिलाकर उसे सरसों तेल के रूप में तैयार किया जा रहा था।

अधिकारियों के मुताबिक मिलावटखोर राइस ब्रान ऑयल को पीले रंग और तेज गंध देने के लिए कृत्रिम रंग और एसेंस का उपयोग कर रहे थे। इससे उपभोक्ताओं को भ्रमित कर इसे शुद्ध सरसों तेल के रूप में बेचा जाना था। मौके से 150 लीटर मिलावटी सरसों तेल और 600 लीटर राइस ब्रान ऑयल बरामद किया गया। साथ ही प्रयोग में लाए जा रहे कृत्रिम रंग और एसेंस भी जब्त किए गए। FSDA टीम ने सरसों तेल, राइस ब्रान ऑयल, रंग और एसेंस के नमूने विधिवत सील कर राजकीय प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मोर्चा : हार्ट सर्जरी वाले शिक्षक को बोर्ड ड्यूटी के लिय भेजा 50 किलोमीटर दूर

लखनऊ डीआईओएस की संवेदनहीनता चरम पर

तमस संकेत, संवाददाता

- नियमों की धज्जियां उड़ा रहे लखनऊ डीआईओएस, परीक्षा में लगाई जा रही है सब्जेक्ट टीचरों की ड्यूटी : महेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ,आप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं के आयोजन के बीच लखनऊ जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) कार्यालय के कुप्रबंधन और तानाशाही के खिलाफ आज आम आदमी पार्टी (AAP) ने कड़ा मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने साक्ष्यों के साथ विभाग पर भ्रष्टाचार और शिक्षकों के मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

महेंद्र सिंह ने बताया कि रामाधीन सिंह इंटर कॉलेज के विज्ञान शिक्षक की हाल ही में हार्ट सर्जरी हुई है। चिकित्सा मानकों के अनुसार उन्हें पूर्ण विश्राम और तनावमुक्त रहने की सलाह दी गई है, लेकिन DIOS कार्यालय ने अमानवीयता की सारी हदें पार करते हुए उनकी ड्यूटी घर से 50 किलोमीटर दूर अयोध्या मेमोरियल इंटर कॉलेज फैजाबाद रोड में लगा दी है। DIOS कार्यालय को इसकी जानकारी दी गई लेकिन चार दिन परीक्षा बीत जाने के बाद भी शिक्षक को वहां से हटाकर समीप के विद्यालय में ड्यूटी नहीं लगाई गई । क्या विभाग किसी अनहोनी का इंतजार कर रहा है? जनपद के बप्पा वोकेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज, मोतीलाल इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, एमकेसडी, विद्यांत इंटर कॉलेज, सेंटिनल इंटर कॉलेज, गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज सहित अधिकाश परीक्षा केंद्रों पर कक्ष निरीक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित न होने से परीक्षा संचालन में गंभीर कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं। केंद्र व्यवस्थापक द्वारा संबंधित अधिकारियों से लगातार दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर कक्ष निरीक्षकों की तत्काल उपलब्धता की मांग की जा रही है, किंतु अब तक आवश्यक संख्या में कक्ष निरीक्षक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जानकारी मिली है कई परीक्षा केंद्रों पर शिक्षकों की कमी का हवाला देकर सब्जेक्ट टीचर (विषय अध्यापक) से ही ड्यूटी कराई जा रही है।

"नियम स्पष्ट है कि जिस विषय की परीक्षा हो, उस विषय का शिक्षक ड्यूटी पर नहीं रहेगा। लेकिन लखनऊ में नियम केवल कागजों पर हैं। यह सीधे तौर पर नकल को संरक्षण देने और परीक्षा की गोपनीयता भंग करने की साजिश है।

शिक्षकों की भारी कमी

केंद्रों पर पर्याप्त कक्ष निरीक्षक न होने के कारण केंद्र व्यवस्थापक मजबूरन अवैध तरीके से ड्यूटी लगा रहे हैं।

बच्चों का मानसिक शोषण

छोटे बच्चों के परीक्षा केंद्र 15-20 किलोमीटर दूर बना दिए गए हैं, जबकि बगल के स्कूलों में जगह खाली थी। इससे छात्र और अभिभावक दोनों ही आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हैं।

नगर निगम भाजपा मुख्यालय का प्रस्ताव शासन भेजेगा

कांग्रेस-सपा पार्षद बोले सदन में नहीं कोई चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम के विशेष सदन में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट लगाने का प्रस्ताव पास किया गया। हजरतगंज से भाजपा पार्षद नागेंद्र सिंह चौहान ने विशेष सदन को अवैध बताकर इसका बायकॉट किया। इसके साथ ही भाजपा का प्रदेश मुख्यालय जियामऊ में 58,534 वर्ग फीट में बनने से संबंधित प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। हालांकि, यह प्रस्ताव नगर निगम सदन के एजेंडा में टॉप 9 प्वाइंट में शामिल नहीं रहा। जबकि प्वाइंट नंबर 10 में अन्य प्रस्तावों में इसे रखा गया है। इस बात को लेकर भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि जब आपके पास में संख्या बल था ही तो फिर क्यों आप लोगों ने इसे छुपाया। प्रस्ताव तो वैसे भी पास हो जाता। यह सदन की गरिमा से खिलवाड़ है। नगर निगम में विशेष सदन की बैठक खत्म होने के बाद में सबसे अधिक चर्चा जियामऊ में स्थित दीन दयाल सेवा न्यास की जमीन को सब लीज पर भाजपा कार्यालय बनाने के प्रस्ताव को शासन भेजने की रही। इसमें नगर निगम की तरफ से इस पूरे प्रस्ताव पर शासन से फैसला लेने का निर्णय छोड़ा गया है।

कांग्रेस और सपा बोली यह पूरी तरह से गलत

कांग्रेस पार्टी मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत है। भाजपा ने सदन की गरिमा का अपमान किया है। ऐसा नहीं होना चाहिए। क्योंकि सदन में इस बात को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। एजेंडा पहले से दिया नहीं गया। इसके बाद में जो सदन में मिला भी उसमें भी इस बात का कोई जिक्र नहीं था। सपा के पार्षद राम नरेश चौरसिया ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत है। सदन में इस बात को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। न ही कोई जानकारी मिली है। ऐसे में क्या किया जाए।

20 लाख तक की ग्रामीण सड़कों के लिए प्लांट से निर्माण अनिवार्य, ठेकेदारों में नाराजगी

लोक निर्माण विभाग का नया नियम विवादों में

विरोध

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकर नगर । लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) के निर्माण खंड द्वारा जारी एक नए नियम को लेकर ठेकेदारों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। विभाग ने 20 लाख रुपये तक की ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए हॉट मिक्स प्लांट से कार्य कराना अनिवार्य कर दिया है। वहीं 75 लाख रुपये से कम लागत की सड़कों को प्लांट से निर्माण योग्य नहीं माना जाएगा। इस व्यवस्था को लेकर छोटे और मध्यम श्रेणी के ठेकेदारों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। निर्माण

खंड की ओर से लागू इस नियम के बाद जिले के कई छोटे ठेकेदार खुद को काम से बाहर होता देख रहे हैं। उनका कहना है कि 20 लाख रुपये तक की सड़कों के लिए प्लांट से सामग्री लाना आर्थिक रूप से व्यवहारिक नहीं है, क्योंकि प्लांट की दूरी, परिवहन लागत और मशीनरी खर्च छोटे ठेकों की लागत से मेल नहीं खाते। ऐसे में छोटे ठेकेदारों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाएगा। नए नियम के विरोध में शनिवार को ठेकेदारों ने एकजुट

शनिवार के प्रदर्शन के बाद ठेकेदारों ने आगे की रणनीति पर विचार करने की बात कही है। फिलहाल वे विभागीय स्तर पर समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को आगे बढ़ाने के संकेत दिए गए हैं।

होकर पीडब्लूडी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान ठेकेदारों ने नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमं-

विभाग का पक्ष, गुणवत्ता सुधार का तर्क

विभागीय सूत्रों के अनुसार प्लांट से निर्माण कराने का उद्देश्य सड़कों की गुणवत्ता में सुधार और एकरूपता लाना है। प्लांट में तैयार मिश्रण को मानकों के अनुरूप नियंत्रित तापमान और अनुपात में तैयार किया जाता है, जिससे सड़क की मजबूती बढ़ती है। हालांकि इस संबंध में औपचारिक बयान सामने नहीं आया है।

डल ने अधिशासी अभियंता से मुलाकात कर नियम में संशोधन की मांग की। ठेकेदारों का कहना है कि 75 लाख रुपये से कम लागत की सड़कों को प्लांट से निर्माण योग्य न मानना और 20 लाख तक के कार्यों में प्लांट अनिवार्य करना आपस में विरोधाभासी व्यवस्था है। उनका तर्क है कि यदि 75 लाख से कम लागत की सड़क प्लांट से नहीं बन सकती तो 20 लाख की सड़क के लिए प्लांट क्यों अनिवार्य किया गया है।

छोटे ठेकेदारों पर असर

स्थानीय ठेकेदारों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में बनने वाली अधिकतर सड़कें 10 से 25 लाख रुपये की लागत की होती हैं। इन सड़कों के लिए पारंपरिक पद्धति से निर्माण कार्य होता रहा है। अब प्लांट आधारित निर्माण अनिवार्य होने से लागत बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। ठेकेदारों का कहना है कि यदि प्लांट से सामग्री लानी होगी तो डीजल, ट्रांसपोर्ट और मशीन किराया जोड़कर खर्च काफी बढ़ जाएगा, जिसका सीधा असर बोली प्रक्रिया पर पड़ेगा। कुछ ठेकेदारों का यह भी कहना है कि जिले में पर्याप्त संख्या में हॉट मिक्स प्लांट उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में सीमित प्लांट संचालकों को लाभ मिलेगा, जबकि स्थानीय छोटे ठेकेदारों की भूमिका सीमित हो जाएगी। इससे प्रतिस्पर्धा कम होने और काम कुछ चुनिंदा हाथों में सिमटने की आशंका जताई जा रही है।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना की समीक्षा

1200 पीएफ अंशदान न करने वाले नियोजकों को नोटिस जारी करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने की। बैठक में पीएफ विभाग वाराणसी के सहायक आयुक्त दिवाकर मिश्रा, सहायक श्रमायुक्त राज बहादुर यादव, प्रवर्तन अधिकारी पीएफ विभव श्रीवास्तव, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, नियोजक और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने योजना के अंतर्गत अधिकतम पंजीकरण सुनिश्चित कराने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि जनपद के सभी पात्र नियोजक तत्काल योजना में अपना पंजीकरण कराएं, ताकि

कर्मकारों को समयबद्ध तरीके से लाभ मिल सके। समीक्षा में सामने आया कि जनपद के लगभग 1200 नियोजक ऐसे हैं जो पीएफ अंशदान नहीं कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग को निर्देशित किया कि ऐसे सभी नियोजकों को नोटिस जारी किया जाए और उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो ईपीएफओ विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कहा गया कि श्रमिकों के हितों की सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता है, इसलिए पीएफ अंशदान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में योजना के प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत पंजीकृत नियोजकों को आगामी 24 माह तक प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है। विनिर्माण क्षेत्र में कार्यरत नियोजकों के लिए यह अवधि 48 माह तक निर्धारित की गई है। योजना के तहत नियोजकों को न्यूनतम 1000 रुपये प्रतिमाह और अधिकतम 3000 रुपये प्रतिमाह तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त पात्र कर्मकारों को योजना में 6 माह की सदस्यता पूर्ण करने पर दो किस्तों में कुल 15,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान है।

फास्ट न्यूज

एकमुश्त कर समाधान योजना के प्रचार को लेकर वाहन स्वामियों को दी गई जानकारी

अम्बेडकर नगर । उपसंभागीय परिवहन कार्यालय में शासन के निर्देशों के तहत दो दिवसीय परिवहन मेले का आयोजन किया गया। 20 और 21 फरवरी को आयोजित इस मेले का उद्देश्य एकमुश्त कर समाधान योजना तथा परिवहन टैक्स में किए गए संशोधनों की जानकारी वाहन स्वामियों तक पहुंचाना रहा।

शिक्षामित्रों का मानदेय 18,000 रुपये तय

अम्बेडकर नगर । शिक्षामित्र शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 2026 के बजट सत्र के समापन पर शिक्षामित्रों का मानदेय अप्रैल 2026 से 18,000 रुपये करने की घोषणा पर आभार व्यक्त किया। लंबे समय से अल्प मानदेय के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे शिक्षामित्रों के लिए यह फैसला राहत का संदेश लेकर आया। शिक्षामित्र शिक्षक संघ अम्बेडकर नगर के जिलाध्यक्ष व शिक्षामित्र केयर समिति के जिला संयोजक राम चन्दर मौर्य ने कहा कि यह मानदेय वृद्धि शिक्षामित्रों के आर्थिक और पेशेवर मान्यता दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

वाराणसी में डीजे संचालक पर केस दर्ज

वाराणसी । वाराणसी में तेज आवाज में डीजे बजाने और हाईवे पर जाम लगाने के आरोप में एक डीजे संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शिवपुर थाना क्षेत्र के वाराणसी-बाबतपुर फोरलेन पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि आगे भी इस तरह की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह घटना गुरुवार रात करीब 10 बजे की है, जब शिवपुर थाने की पुलिस गश्त और अतिक्रमण विरोधी अभियान पर निकली थी।

पुरानी तहसील परिसर में युवक की पिटाई, वीडियो वायरल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । मुख्यालय स्थित पुरानी तहसील परिसर में देर रात खुलेआम मारपीट का मामला सामने आया है। एक युवक को घेरकर पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक को लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पीटते हुए देखा जा रहा है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वायरल वीडियो में कुछ लोगों के बीच गोसाईंगंज के पूर्व विधायक खब्बू तिवारी नाम का जिक्र सुनाई दे रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना के दौरान मौके पर एक पुलिसकर्मी के मौजूद होने की भी चर्चा है। वीडियो में वर्दीधारी व्यक्ति दिखाई दे रहा है, जिससे मामले ने और तूल पकड़ लिया है। सूत्रों के अनुसार, घटना अधिवक्ता से मोबाइल छीनने के विवाद से जुड़ी बताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इस संबंध में स्पष्ट बयान जारी नहीं किया है। वायरल वीडियो

गोसाईंगंज के पूर्व विधायक का जिक्र, एक पुलिसकर्मी भी दिखा जांच शुरू

में युवक को जमीन पर गिराकर पीटते हुए देखा जा सकता है, जबकि आसपास कुछ लोग तमाशबीन नजर आ रहे हैं। घटना के बाद वीडियो तेजी से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर इसे लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने वीडियो को संज्ञान में लिया है। संबंधित थाना पुलिस और उच्चाधिकारी पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटे हैं।

भाजयुमो का प्रदर्शन

एआई समिट प्रकरण को लेकर राहुल गांधी का पुतला दहन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । शनिवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ताओं ने एआई समिट के दौरान कथित अभद्रता के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन कर आक्रोश जताया। प्रदर्शन का नेतृत्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष आकाश वर्मा ने किया। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि एआई समिट जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अनुशासनहीनता और विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है।

प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष आकाश वर्मा ने कहा कि सार्वजनिक मंचों पर इस प्रकार की घटनाएं लोकतांत्रिक परंपराओं को आहत करती हैं। उन्होंने संबंधित प्रकरण में

जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि युवा मोर्चा राष्ट्रहित और सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ किसी भी गतिविधि का विरोध करता रहेगा।

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया व्यवहार कार्यक्रम की गरिमा के विपरीत था। इसी के विरोध में संगठन की ओर से पुतला दहन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। एआई समिट प्रकरण को लेकर जिले में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजयुमो के प्रदर्शन के बाद कांग्रेस की ओर से भी प्रतिक्रिया की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल शनिवार को हुआ यह प्रदर्शन जिले में चर्चा का विषय बना रहा।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद

प्रदर्शन में पूर्व जिला अध्यक्ष कपिल देव वर्मा, जिला महामंत्री अतुल मिश्रा, नगर अध्यक्ष सत्यम ओझा, राहुल चौधरी, बृजेश तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, चंद्रपाल वर्मा, मोनू वर्मा और कृष्णा दुबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम निर्धारित स्थान पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पुलिस की मौजूदगी में पुतला दहन किया गया और कुछ समय तक नारेबाजी के बाद कार्यकर्ता वहां से हट गए।

पंचायत भवन से जलाशय तक अनियमितताओं के आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद के अकबरपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम सभा लारपुर इन दिनों विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं को लेकर चर्चा में है। गांव के कई सार्वजनिक निर्माण और योजनाओं के क्रियान्वयन पर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि सरकारी धन खर्च होने के बावजूद जमीनी स्तर पर अपेक्षित कार्य नहीं दिख रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई गई तो पंचायत स्तर पर वित्तीय और प्रशासनिक गड़बड़ियों का खुलासा हो सकता है। इस संबंध में ग्रामीण सामूहिक रूप से जिलाधिकारी से शिकायत करने की तैयारी में हैं।

ग्राम सभा में लाखों रुपये की लागत से निर्मित पंचायत भवन की स्थिति पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार भवन परिसर में साफ-सफाई का अभाव है और परिसर में कूड़ा जमा रहता है। अंदर

बने शौचालयों की हालत खराब बताई जा रही है। रखरखाव न होने के कारण भवन की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कागजी अभिलेखों में रखरखाव और उपयोग की स्थिति सामान्य दर्शाई गई है, जबकि वास्तविक स्थिति इससे भिन्न है। पंचायत भवन सार्वजनिक गतिविधियों का केंद्र होता है, लेकिन वर्तमान स्थिति में इसका उपयोग सीमित हो गया है। ग्राम सभा में निर्मित सीसी रोड भी विवाद के घेरे में है। सड़क के बीच वर्षों से खड़ा विद्युत पोल अब तक नहीं हटाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकती है।

76.11 प्रतिशत श्रमिकों का सत्यापन पूरा, बिना ई-केवाईसी काम नहीं मिलेगा

मनरेगा जॉबकार्ड का ई केवाईसी अभियान तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । जनपद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत सक्रिय श्रमिकों के जॉबकार्ड का ई-केवाईसी कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। परियोजना अधिकारी डीआरडीए एवं डीसी मनरेगा अनिल कुमार सिंह ने बताया कि जॉबकार्ड नवीनीकरण प्रक्रिया को समयबद्ध और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जनपद में अब तक 76.11 प्रतिशत सक्रिय श्रमिकों का ई-केवाईसी पूरा किया जा चुका है। शेष श्रमिकों का सत्यापन शीघ्र पूरा कराने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। ई-

केवाईसी प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए सभी ग्राम पंचायतों में शिविर लगाए जा रहे हैं। सक्रिय श्रमिकों को अपने ग्राम पंचायत के संबंधित रोजगार सेवक, महिला मेट, ग्राम प्रधान, सचिव, एपीओ और बीडीओ से संपर्क करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार श्रमिक आधार आधारित सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से अपना ई-केवाईसी पूरा कर सकते हैं। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज और पहचान संबंधी विवरण साथ लाना होगा। ग्राम स्तर पर टीमों को निर्देशित किया गया है कि वे घर-घर संपर्क कर शेष श्रमिकों का सत्यापन सुनिश्चित करें। परियोजना अधिकारी ने बताया कि शासन स्तर से यह भी निर्देशित किया गया है कि शीघ्र ही मनरेगा श्रमिकों की उपस्थिति एनएमएमएस के तहत फेस ऑथेंटिकेशन प्रणाली से दर्ज की जाएगी। यानी श्रमिकों की उपस्थिति मोबाइल आधारित एप के माध्यम से चेहरा प्रमाणीकरण कर दर्ज होगी। फेस ऑथेंटिकेशन व्यवस्था लागू होने से पहले सभी सक्रिय श्रमिकों का ई-केवाईसी पूर्ण होना अनिवार्य है। बिना सत्यापन के श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज नहीं हो सकेगी, जिससे उन्हें मजदूरी भुगतान में दिक्कत आ सकती है।

ई-केवाईसी अनिवार्य, तभी मिलेगा रोजगार

परियोजना अधिकारी के अनुसार अब मनरेगा में वही श्रमिक कार्य करने के पात्र होंगे, जिनके जॉबकार्ड का ई-केवाईसी पूर्ण हो चुका होगा। बिना ई-केवाईसी के किसी भी श्रमिक को कार्य आवंटित नहीं किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य फर्जीवाड़े पर रोक लगाना और वास्तविक लाभार्थियों तक योजना का लाभ सुनिश्चित करना है।

जॉबकार्ड के नवीनीकरण और ई-केवाईसी के माध्यम से श्रमिकों का डाटा अद्यतन किया जा रहा है। इससे भुगतान प्रक्रिया और उपस्थिति पंजीकरण प्रणाली को भी पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की विकास योजनाओं और बजट पर मंथन

अकबरपुर ब्लॉक में क्षेत्र पंचायत की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । अकबरपुर विकास खंड सभागार में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख देविका वर्मा ने की। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित विकास योजनाओं, बजट प्रावधानों और विभागीय कार्य योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक की शुरुआत पिछली कार्यवाही की पुष्टि से हुई। इसके बाद विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए आगामी वित्तीय वर्ष की प्राथमिकताओं पर विचार किया गया।

बैठक में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। पात्र लाभार्थियों की सूची, लंबित आवासों की स्थिति और नए प्रस्तावों

पर चर्चा हुई। सदस्यों ने पारदर्शी चयन प्रक्रिया और समय पर निर्माण पूर्ण कराने की आवश्यकता पर बल दिया।

आवास योजनाओं के तहत आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता और लाभार्थियों को समय पर किश्त भुगतान सुनिश्चित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में लघु सिंचाई, समाज कल्याण, पंचायती राज, एनआरएलएम, विकसित भारत जी राम जी योजना, कृषि, सहकारिता और शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं पर भी चर्चा हुई। सदस्यों ने विभागीय योजनाओं के बेहतर समन्वय और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता जताई।

मनरेगा श्रम बजट को मिली स्वीकृति

बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के श्रम बजट को अनुमोदित किया गया। सदस्यों ने ग्राम स्तर पर रोजगार सृजन, परिसंपत्तियों के निर्माण और अधूरे कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

मनरेगा के तहत प्रस्तावित कार्यों में तालाब, सड़क, नाली, जल संरक्षण और सामुदायिक संपत्तियों के निर्माण से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा हुई। सदस्यों ने कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की बात कही।

सोशल ऑडिट टीम पैनल के साक्षात्कार की तिथियां घोषित

23 फरवरी से 10 मार्च तक विकास भवन में होंगे इंटरव्यू

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । सोशल ऑडिट टीम के पैनल गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। ग्राम्य विकास विभाग के निर्देशों के अनुपालन में प्राप्त आवेदनों के साक्षात्कार कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया गया है। जिला विकास अधिकारी आलोक दत्त उपाध्याय ने बताया कि जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद साक्षात्कार की तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं।

यह प्रक्रिया निदेशक, सोशल ऑडिट निदेशालय, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशों के तहत संचालित की जा रही है। जनपद स्तर पर गठित की जाने वाली सोशल ऑडिट टीम ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जिला विकास अधिकारी के अनुसार सभी साक्षात्कार विकास

भवन स्थित जिला विकास अधिकारी कक्ष में आयोजित किए जाएंगे। इंटरव्यू प्रतिदिन प्रातः 10:30 बजे से प्रारंभ होंगे। संबंधित विकास खंडों के अभ्यर्थियों के लिए अलग-अलग तिथियां तय की गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विकास खंड अकबरपुर के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 23 फरवरी 2026 को होगा। इसके बाद विकास खंड बसखारी के लिए 24 फरवरी, भीटी के लिए 25 फरवरी और भियांव के लिए 26 फरवरी की तिथि निर्धारित की गई है। जारी कार्यक्रम के तहत विकास खंड जलालपुर के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 27 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा।

सख्ती : अनुपस्थित पाए गए विभागीय अधिकारी तीन दिन में मांगा स्पष्टीकरण

तहसील दिवस से नदारद 21 अधिकारियों का वेतन रोका

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान प्रशासनिक सख्ती देखने को मिली। शनिवार को तहसील टांडा में आयोजित कार्यक्रम में 21 अधिकारी अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने अनुपस्थिति को गंभीर मानते हुए सभी का 21 फरवरी 2026 का एक दिन का वेतन अवरुद्ध करने का आदेश जारी किया है। साथ ही तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस को शासन की शीर्ष प्राथमिकता बताते हुए स्पष्ट किया गया कि जनसम-

स्याओं का समयबद्ध निस्तारण अनिवार्य है। इसके बावजूद बिना सूचना अनुपस्थित रहना अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना गया। अनुपस्थित अधिकारियों में मुख्य चिकित्साधिकारी, उप निदेशक कृषि, जिला गन्ना अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक (सहकारिता), जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी, अधिशासी अभियंता जल निगम, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड), अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड टांडा, अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड टांडा, सहायक अभियंता लघु सिंचाई, चकबंदी अधिकारी टांडा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, उपायुक्त उद्योग तथा सचिव मंडी परिषद टांडा शामिल हैं।

अकबरपुर में डीएम ने सुनीं 35 शिकायतें, 4 का मौके पर निस्तारण

इसी दिन तहसील अकबरपुर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कुल 35 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से चार का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष मामलों को संबंधित विभागों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के निर्देश के साथ भेजा गया।

राजस्व, पुलिस, विकास, समाज कल्याण, विद्युत और स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्धारित समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

अम्बेडकर नगर में आज मेगा विधिक सहायता शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । जनपद में आम नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 22 फरवरी 2026 को मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह बृहद शिविर अकबरपुर स्थित लोहिया भवन में आयोजित होगा, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी, विधिक विशेषज्ञ और संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के तहत किया जा रहा है। प्रदेश स्तर से सभी जनपदों में एक ही दिन मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अम्बेडकर नगर में भी व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित इस शिविर में राजस्व, पुलिस, समाज कल्याण, श्रम, महिला एवं बाल विकास सहित

लोहिया भवन अकबरपुर में एक ही स्थान पर मिलेगा निःशुल्क विधिक परामर्श और सरकारी योजनाओं की जानकारी

विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। शिविर में नागरिकों को निःशुल्क विधिक परामर्श दिया जाएगा। पारिवारिक विवाद, भूमि विवाद, महिला उत्पीड़न, श्रम संबंधी समस्याएं, पेंशन प्रकरण, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तथा अन्य दीवानी और फौजदारी मामलों में मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। लोक अदालत की प्रक्रिया, सुलह-समझौता और वैकल्पिक विवाद निस्तारण की जानकारी भी दी जाएगी।

सम्पादकीय

भाषा के साथ खत्म हो जाती है मौलिक सभ्यता

हर वर्ष 21 फरवरी विश्व में मातृभाषाओं के आहत स्वाभिमान और उसके खोए हुए आत्मविश्वास की वापसी का संकल्प और स्वप्न लेकर आती है। 1999 में यूनेस्को ने इस तिथि को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह इस तथ्य को प्रमाणित करता है कि हम सांस्कृतिक वैविध्य को तभी बचा सकते हैं, जब विभिन्न भाषाओं को बचा पाएंगे। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की पृष्ठभूमि पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के 'बांग्ला भाषा आंदोलन' में निहित है। पाकिस्तान ने उस पर उर्दू थोप दी थी। इस निर्णय से असंतुष्ट ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों और कुछ सामाजिक संस्थाओं ने 21 फरवरी, 1952 को विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों पर गोलियां चला दीं। इसमें कई छात्र मारे गए। इन छात्रों की स्मृति में यूनेस्को ने 1999 में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मानने की घोषणा की। उसने मातृभाषा को मदर टंग के रूप में नहीं, बल्कि मदर लैंग्वेज के रूप में लिया। यानी आपकी मूल भाषा, जिसे प्राथमिक भाषा भी कहा जा सकता है। यह भाषा हमारी पहचान और हमारे मानसिक व्यक्तित्व के निर्माण का आधार होती है। मातृभाषा का महत्व इसलिए है, क्योंकि हर भाषा की संरचना के सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोत होते हैं। भाषा हमें अपने इतिहास, मिथक और परंपरा से जोड़ती है। यह जुड़ाव ही सामूहिक अस्मिता बनकर बेहद मूल्यवान बन जाता है। हमारी संस्कृति की धड़कन हमारी भाषा की अवधारणाओं, मिथकों, बिंबों और प्रत्ययों में मौजूद रहती है, लेकिन विडंबना यह है कि नए वैश्विक परिदृश्य और तेजी से परिवर्तित होती परिस्थितियों में अनेक भाषाएं अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही हैं। संप्रेषण के नए युग में सांस्कृतिक वैविध्य और अन्य विविधताओं को मिटाकर एक समान संस्कृति, समान सभ्यता और समान रुचियों के 'विश्व मॉडल' की संकल्पना ने विकासशील और अल्प विकसित देशों की भाषाओं के समक्ष चुनौतियां पैदा की हैं। विश्व की अनेक भाषाओं पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है कई भाषाएं विलुप्त होने के कगार पर हैं। यूनेस्को का निष्कर्ष है कि हर दो हफ्ते में एक भाषा गायब होती है। शीघ्र ही ऐसा समय आएगा जब लगभग 1500 भाषाएं उपयोगकर्ताओं के अभाव में व्यवहार में नहीं रहेंगी। जब कोई भाषा दम तोड़ती है, तो उसके साथ एक मौलिक संस्कृति, एक मौलिक सभ्यता खत्म हो जाती है। बच्चों के लिए शिक्षा का सबसे अच्छा माध्यम उनकी मातृभाषा है। अपनी मातृभाषा में बच्चे जल्दी सीखते हैं, लेकिन चिंता की बात है कि विश्व भर में 40 प्रतिशत बच्चे उस भाषा में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते, जो भाषा वे घर में बोलते और समझते हैं। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की थीम है-'बहुभाषी शिक्षा के भविष्य में युवाओं की भूमिका।' गांधीजी ने बच्चों के मानसिक विकास के लिए मातृभाषा को उसी तरह आवश्यक बताया था, जैसे शारीरिक विकास के लिए मां का दूध। रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था कि यदि विज्ञान को जनसुलभ बनाना है, तो मातृभाषा के माध्यम से उसकी शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने शिक्षा का माध्यम मातृभाषा को बनाने की पैरवी करते हुए कहा था कि हमारा मन 13-14 वर्ष की उम्र में ज्ञान का प्रकाश और भाव का रस ग्रहण करने के लिए खुलता है, यदि उसी समय उसके ऊपर पराई भाषा के व्याकरण और शब्दकोश को रटने बाध्यता थोप दी जाए, तो वह सुदृढ़ कैसे रह सकता है? ज्ञात हो कि टैगोर की शिक्षा इंग्लैंड में अंग्रेजी माध्यम से हुई थी। जब उन्होंने विश्वभारती विश्वविद्यालय की संकल्पना की, तो शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा बांग्ला भाषा का चयन किया। मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण कर सफलता के शिखर पर कैसे पहुंचा जा सकता है, पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम इसके सशक्त उदाहरण हैं। उन्होंने कहा था, 'मैं अच्छा विज्ञानी इसलिए बना, क्योंकि मैंने गणित और विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा तमिल में प्राप्त की।' अच्छी बात है कि भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिये इस दिशा में पहल की है। प्रारंभिक शिक्षा के लिए मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के कार्यान्वयन ने शिक्षा प्रणाली को मजबूती प्रदान की है। विश्व के अनेक संपन्न देशों ने अपनी मातृभाषा में ही उन्नति के सोपान पार किए हैं। विज्ञानियों द्वारा यह स्थापित किया जा चुका है कि 'विश्व में सकल घरेलू उत्पाद में अग्रिम पंक्ति के 20 देश सारा कार्य अपनी मातृभाषा में ही करते हैं। जापान, जर्मनी और फ्रांस के लोगों की अपनी मातृभाषा के प्रति प्रतिबद्धता जगजाहिर है।

संघ कल आज और कल

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

> अजीब बात तो यह है कि सबसे ज्यादा नफरती बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिया जाता है। एक तरह से उन्हें सीधी गाली देने का चलन विपक्षी नेताओं ने शुरू किया हुआ है। इसकी प्रतिक्रिया में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी भाजपा नेताओं द्वारा भद्दी भाषा का इस्तेमाल किया जाता है।

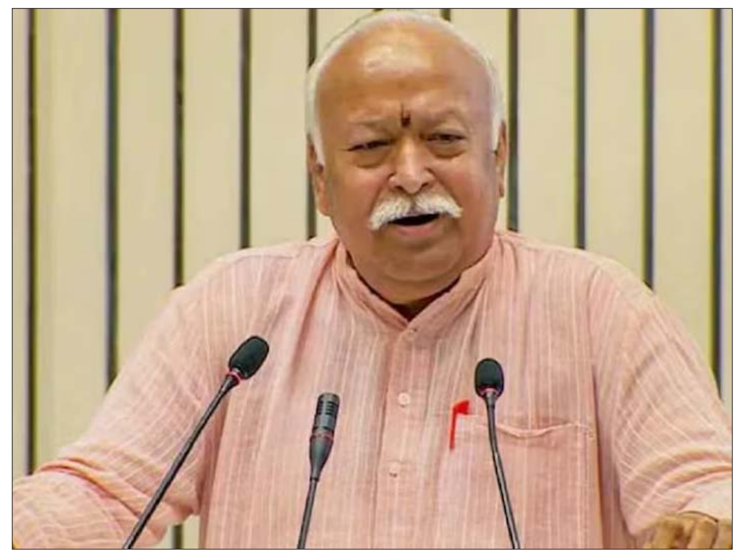

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने आयु के 100 साल 2025 की विजयदशमी को पूरे कर लिए थे अब वह 101 वर्ष में प्रवेश कर चुका है। संघ की लानत मलानत जितना पिछले एक दशक में हुई उतनी कभी नहीं हुई । इसका कारण कोई कुछ भी कहे लेकिन मेरा मानना है कि जब से नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बने हैं तब से शायद संघ ने भी अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा नामक राजनीतिक दल में अपने सक्रियता कुछ ज्यादा ही बढ़ा ली है। वर्तमान सर संघचालक डॉ मोहन भागवत जिन्हे वर्तमान मोदी सरकार ने जेड प्लस की सुरक्षा जब से प्रदान की है तब से उनके बयान हिंदू और हिंदुत्व को लेकर तो काफी कम हुए हैं। लेकिन राजनीतिक बाजार ज्यादा बढे हैं जिसके चलते डॉक्टर मोहन भागवत की ट्रोलिंग और आलोचना भी बढ़ी है। इससे पहले जो भी सर संघचालक हुए सबके भाषण और बौद्धिक हिंदू समाज तक सीमित रहे हिंदू समाज को एकजुट करने तक सीमित रहे। वैसे जिस राष्ट्र स्वयंसेवक संघ को मैं जानता था या मेरे जैसे लोग जानते थे उस संघ का मतलब था राष्ट्र की सेवा करने हेतु स्वयं प्रेरणा से स्वयं ही अग्रसर होने वाले लोगों द्वारा राष्ट्र कार्य के लिए स्थापित संघ। लेकिन आज शायद यह परिभाषा बदल चुकी है तभी तो आज के समय में के संघ पदाधिकारी जिन्हे प्रचारक भी कहा जाता है का एकमात्र लक्ष्य सत्ता की प्राप्ति रह गई है। ताकि सत्ता की मलाई खाई जा सके। संघ के आद्य सरसंघ चालक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने अपनी एक पुस्तक संघ तत्व और व्यवहार में लिखा था- संघ के सिद्धांतों पर अटल श्रद्धा रखो हिम्मत और आत्मविश्वास से काम लो हम लोग स्वदेश स्वधर्म और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए कटिबद्ध हैं हमें सत्य का अधिष्ठान है अतः किसी भय, संकट से घबराने का कोई कारण नहीं। संकटों द्वारा हमें कसौटी पर कसने और उसमें सफल होने पर आगे का उन्नत मार्ग हमें दिखाने की ईश्वरेइच्छा इसमें व्यक्त होती है। उन्होंने आगे लिखा था कि हिंदू जाति का सुख ही मेरा और मेरे कुटुंब का सुख है । हिंदू जाति पर आने वाली विपत्ति हम सभी के लिए महासंकट है और हम हिंदू जाति का अपमान हम सभी का अपमान है। ऐसी आत्मीयता की वृद्धि हिंदू मात्र के रोम रोम में व्याप्त होनी चाहिए। यही तो है राष्ट्रीय धर्म का मूल मंत्र। जबकि आज हालात यह है कि न केवल संघ के प्रचारक तथा संघ के मानस पुत्र जो आज भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी हैं सत्ता के लिए, चुनाव जीतने के लिए तथा सत्ता हमेशा बनी रहे इसके लिए हिंदू समाज को टुकड़ों टुकड़ों में बांटने का काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं संघ की मूल इकाई यानी शाखा आज धीरे-धीरे कस्बो और गांव से नदारत होती जा रही है । इसकी चिंता आज के प्रचारक नहीं कर रहे हैं । ऐसे में हमारे जैसे पुराने स्वयंसेवकों या संघ से जुड़े लोगों में आक्रोश है। जिस संघ की पहचान कल को एक अनुशासित संगठन की थी आज यह सामाजिक राजनीतिक प्रभाव का केंद्र है और कल में इसकी दशा इस बात पर निर्भर करेगी कि भाजपा रूपी सत्ता प्रतिष्ठान इसमें कितना दखल देता है। साथ ही संघ अपनी मूल विचारधारा को हासिये पर डालकर कितना राजनीति में हस्तक्षेप करता है। क्या कल का संघ बदलते भारत और वैश्विक परिदृश्य के साथ स्वयं को संतुलित कर पाएगा। क्योंकि वर्तमान संघ प्रमुख जिस तरह के राजनीतिक भाषण करते हैं जैसे एक हिंदू के तीन बच्चे होने चाहिए वह यह नहीं बताते हैं कि महंगाई और बेरोजगारी के इस युग में जहां 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त खाद्यान्न दिया जा रहा है अपने तीन बच्चों का पालन पोषण कैसे करेंगे ? वे अपने बौद्धिक में सभी हिंदुओं को एकजुट करने तथा मुसलमानों की घर वापसी की बात तो करते हैं लेकिन यह नहीं बताते हैं कि जिस पार्टी का वह समर्थन कर रहे हैं उसी के सत्ता में आने के बाद बटना और कटना शुरू हुआ है। क्योंकि इससे पार्टी को राजनीतिक रूप से फायदा होता है। मेरे विचार से संघ के सामने सबसे बड़ी चुनौती भारतीय जनता पार्टी है। वह भाजपा जिसकी सत्ता शिखर पर बैठे लोगों ने संघ के अनुसांगिक संगठनों का अस्तित्व ही समाप्त कर दिया है। पता नहीं नहीं चल रहा है कि विश्व हिंदू परिषद कहां है? हिंदू जागरण मंच कहां है? स्वदेशी जागरण मंच कहां है? मजदूर संघ कहां है? किसान संघ कहां है ? विश्व भारती कहां है? विद्या भारती कहां है? प्रकृति भारती कहां है? और क्या कर रहा है? वगैरह-वगैरह। ऐसी हालत में संघ की भूमिका सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा को आधुनिक संदर्भ में पुनः परिभाषित करना होगा। सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण में सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी ना कि भाजपा के साथ मोहरे सेट करने का काम। इसके अलावा राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल समाज में विघटन करने के बजाय सामाजिक भूमिका बीच संतुलन बैठाना होगा। वैसे संघ के सामने भविष्य में चुनौतियां कम नहीं है। इतना ही नहीं संघ की मूल इकाई यानी शाखा आज धीरे-धीरे कस्बो और गांव से नदारत होती जा रही है । इसकी चिंता आज के प्रचारक नहीं कर रहे हैं । ऐसे में हमारे जैसे पुराने स्वयंसेवकों या संघ से जुड़े लोगों में आक्रोश है। जिस संघ की पहचान कल को एक अनुशासित संगठन की थी आज यह सामाजिक राजनीतिक प्रभाव का केंद्र है और कल में इसकी दशा इस बात पर निर्भर करेगी कि भाजपा रूपी सत्ता प्रतिष्ठान इसमें कितना दखल देता है। इस डिजिटल युग में संघ को युवा पीढ़ी के साथ मिलकर नई रणनीति बनानी होगी। जाति और वर्ग के बीच विभाजन को पाटना होगा तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैचारिक स्पष्टता को उजागर करना होगा। इसके साथ ही अल्पसंख्यकों के साथ अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करना होगा राजनीति में बढ़ते प्रभाव को लेकर जो बहस चल रही है उस पर विराम लगाना होगा तथा इतिहास और शिक्षा में वैचारिक हस्तक्षेप के जो आरोप लग रहे हैं उनसे बचना होगा।

इसलिए मार्च में...

कमलेश पांडेय

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया से न्यायिक अधिकारियों को जोड़ने के सुप्रीम फैसले के राष्ट्रीय मायने

पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी है जिसमें लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी वाली एंट्रीज (जैसे माता-पिता का नाम मेल न खाना या आयु अंतर असंगत होना आदि की गहन जांच होती है। इसी को लेकर राज्य सरकार और केंद्रीय चुनाव आयोग के बीच उभरे विवाद को कम करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 19-20 फरवरी 2026 को कलकत्ता हाईकोर्ट को वर्तमान और पूर्व न्यायिक अधिकारियों (जिला जज रैंक के) को तैनात करने का निर्देश दिया। ऐसा इसलिए कि राज्य सरकार और चुनाव आयोग (ECI) के बीच विश्वास की कमी और सहयोग न होने से प्रक्रिया अटक गई थी। लिहाजा इस अप्रत्याशित फैसले के राष्ट्रीय मायने अहम व दूरगामी साबित होंगे क्योंकि यह फैसला असाधारण परिस्थितियों में न्यायपालिका को निर्वाचन प्रक्रिया में सीधे शामिल करने का बेजोड़ उदाहरण है, जो राज्य-केंद्र संबंधों में तनाव को उजागर करता है। देखा जाए तो यह अन्य राज्यों (जैसे केरल, तमिलनाडु) में SIR विस्तार पर भी प्रभाव डाल सकता है, जहां समान विवाद हो सकते हैं। खास बात यह कि कोर्ट ने 'ट्रस्ट डेफिसिट' और 'ब्लेम गेम' की आलोचना की, जो संवैधानिक संस्थाओं के बीच समन्वय की आवश्यकता पर जोर देता है। हालांकि इसको लेकर कुछ सार्वजनिक प्रभाव और चिंताएं दोनों हैं। यह ठीक है कि न्यायिक अधिकारियों की तैनाती से दावों-आपत्तियों का निपटारा तेज होगा, और उनकी निर्णय अदालती आदेश माने जाएंगे। हालांकि, इससे नियमित अदालती कार्य प्रभावित हो सकता है, जिसके लिए हाईकोर्ट को वैकल्पिक व्यवस्था करने को कहा गया है। यह बात अलग है कि राष्ट्रीय स्तर पर यह निर्वाचन की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप को मजबूत बनाता है लेकिन राज्य सरकारों पर सहयोग न करने का दबाव बढ़ाता है। यूँ तो इस फैसले से अन्य राज्यों पर सीधा कानूनी असर नहीं पड़ेगा क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इसे पश्चिम बंगाल की ₹असाधारण परिस्थितियों₹ (ट्रस्ट डेफिसिट और ब्लेम गेम) तक सीमित रखा। लेकिन जहां तक अन्य राज्यों में SIR स्थिति का सवाल है तो केरल, तमिलनाडु जैसे राज्यों में जहां SIR पहले ही चल रहा था या विवादास्पद रहा, वहां बंगाल जैसी न्यायिक हस्तक्षेप की कोई तत्काल मांग नहीं दिख रही। वहीं 12 राज्यों (यूपी, बंगाल सहित) में SIR प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ चुकी, फॉर्म वितरण 95% पूरा हो चुका है। जहां तक इस फैसले के संभावित प्रभाव की बात है तो यह फैसला अन्य राज्यों के लिए पूर्वाधार बन सकता है, जहां राज्य-ECI विवाद बढ़े तो न्यायिक अधिकारियों की तैनाती का विकल्प खुले। चूंकि कोर्ट ने असाधारण कदम उठाने पर जोर दिया जो पारदर्शिता बढ़ाएगा लेकिन नियमित अदालती कार्य प्रभावित कर सकता है। फिर भी कोर्ट का यह रेयर ऑफ द रेयरेस्ट निर्णय/फैसला राज्य सरकारों को केंद्रीय संस्थाओं से सहयोग बढ़ाने का संदेश देता है, वरना समान निर्देश संभव है। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में SIR प्रक्रिया के दौरान सेंट्रल फोर्स की तैनाती की संभावना मजबूत दिख रही है, खासकर आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में। इसलिए SIR सुनवाई के बाद चुनाव आयोग संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा पर विचार कर रहा है, क्योंकि प्रक्रिया में हिंसा, BLO धमकियां और विवाद बढ़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी हालात बिगड़ने पर पुलिस तैनाती की बात कही है और ECI के पास राज्य पुलिस न मानने पर सेंट्रल फोर्स लेने का अधिकार है। इसलिए मार्च में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन के बाद तनाव बढ़ने पर केंद्रीय बलों की तैनाती तय मानी जा रही है जो निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करेगी। विपक्ष इसे जरूरी बता रहा है जबकि राज्य सरकार राज्य पुलिस पर भरोसा जताती है लेकिन ECI अंतिम फैसला लेगा।

बच्चा जब जन्में...

ललित गर्ग

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

21 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम "बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़" है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं। इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है।

जरा हटके

पेनल्टी टैरिफ का...

डॉ.बालमुकुंद पाण्डेय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता : सामयिक मूल्यांकन

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हाल ही में घोषित व्यापार समझौता लगभग ग्यारह महीनों तक चले कूटनीतिक तनाव और अनिश्चितता के बाद सामने आया है। इस अवधि में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध पिछले दो दशकों में अपने न्यूनतम स्तर पर पहुँच गए थे। ऐसे परिदृश्य में यह समझौता केवल व्यापारिक हितों तक सीमित न होकर भारत की आर्थिक नीति, ऊर्जा सुरक्षा तथा वैश्विक रणनीतिक स्थिति को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बनकर उभरा है। इस समझौते का केंद्रीय आर्थिक पक्ष अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ में उल्लेखनीय कटौती से संबंधित है। अमेरिकी प्रशासन के अनुसार भारत पर लागू कुल 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। यह टैरिफ संरचना दो भागों में विभाजित थी—25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ और रूस से कच्चे तेल के आयात के कारण लगाया गया 25 प्रतिशत पेनल्टी टैरिफ। पेनल्टी टैरिफ का हटना भारत के लिए केवल आर्थिक राहत नहीं है बल्कि यह दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का भी संकेत देता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वर्ष 2025 में भारत का अमेरिका को निर्यात लगभग 100 अरब डॉलर रहा। टैरिफ में कटौती के परिणामस्वरूप भारतीय निर्यात में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि की संभावना व्यक्त की जा रही है। टेक्सटाइल, रत्न एवं आभूषण, ऑटोमोबाइल कलपुर्जे, फार्मास्यूटिकल्स तथा इंजीनियरिंग उत्पाद जैसे क्षेत्र इस समझौते से विशेष रूप से लाभान्वित हो सकते हैं। अमेरिकी उपभोक्ता बाजार में भारतीय उत्पादों की कीमतों में अपेक्षित कमी से निर्यात विस्तार और रोजगार सृजन की संभावनाएँ बढ़ेंगी। टेक्सटाइल क्षेत्र पर इस समझौते का प्रभाव विशेष रूप से उल्लेखनीय हो सकता है। उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में यह उद्योग बड़े पैमाने पर श्रम-आधारित है। अमेरिकी बाजार में मांग में वृद्धि से इन राज्यों में उत्पादन, आय और रोजगार के अवसरों में वृद्धि संभव है। वित्तीय बाजारों की सकारात्मक प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि निवेशक इस समझौते को अल्पकाल में भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए अनुकूल मान रहे हैं। हालाँकि इस समझौते के आर्थिक लाभों के साथ कुछ रणनीतिक और संरचनात्मक चिंताएँ भी जुड़ी हुई हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण भारत की ऊर्जा नीति में संभावित परिवर्तन है। अमेरिकी पक्ष के अनुसार भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को सीमित करने पर सहमति जताई है, जिसके परिणामस्वरूप पेनल्टी टैरिफ को हटाया गया। इसके विकल्प के रूप में भारत द्वारा अमेरिका और संभवतः वेनेजुएला से तेल आयात बढ़ाने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में रूस भारत का प्रमुख कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता रहा है। यूक्रेन युद्ध के बाद रियायती दरों पर रूसी तेल के आयात ने भारत को अपनी ऊर्जा लागत नियंत्रित करने और घरेलू महंगाई पर अंकुश लगाने में सहायता की। वर्ष 2024–25 में भारत के कुल तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत थी। ऐसे में रूस से आयात में कटौती भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आयात लागत दोनों के लिए चुनौतीपूर्ण सिद्ध हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी कच्चा तेल रूसी तेल की तुलना में प्रति बैरल 10 से 15 डॉलर अधिक महँगा हो सकता है। इससे भारत का आयात व्यय बढ़ने और ईंधन कीमतों पर दबाव पड़ने की आशंका है, जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और समग्र मुद्रास्फीति पर पड़ सकता है। इस समझौते का भू-राजनीतिक आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अमेरिका इसे रूस पर आर्थिक और रणनीतिक दबाव बढ़ाने की व्यापक नीति के हिस्से के रूप में देख रहा है। यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में यह समझौता वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को पश्चिमी रणनीतिक हितों के अनुरूप पुनर्संरचित करने का प्रयास भी प्रतीत होता है। इस संदर्भ में यह प्रश्न प्रासंगिक हो जाता है कि भारत अपनी दीर्घकालिक रणनीतिक स्वायत्तता को किस सीमा तक बनाए रख सकेगा। भारत की विदेश नीति पारंपरिक रूप से बहुपक्षीय संतुलन पर आधारित रही है। भारत ने अमेरिका, रूस और अन्य प्रमुख वैश्विक शक्तियों के साथ रणनीतिक संबंध बनाए रखते हुए अपनी स्वायत्तता को संरक्षित करने का प्रयास किया है। किंतु वर्तमान समझौते ने यह बहस तेज कर दी है कि क्या भारत अपनी ऊर्जा और रक्षा नीति में क्रमिक रूप से अमेरिका-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य की घोषणा इस समझौते के दीर्घकालिक महत्व को रेखांकित करती है, यद्यपि इसकी समय-सीमा और कार्ययोजना अभी स्पष्ट नहीं है। भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर कुछ टैरिफ और नॉन-टैरिफ बाधाओं में कमी के संकेत दिए हैं परंतु कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी नीतिगत सीमाओं को बनाए रखा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार भारतीय किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। भारत–अमेरिका ट्रेड समझौता आर्थिक अवसरों के साथ-साथ रणनीतिक चुनौतियों का भी प्रतिनिधित्व करती है। इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत किस प्रकार अल्पकालिक व्यापारिक लाभों को सुरक्षित रखते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा, रणनीतिक स्वायत्तता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन स्थापित करता है।

राहुल गांधी का पुतला फूंका, एआई समिट में हंगामे के बाद विरोध में भाजयुमो

भाजपा कार्यकर्ता और पुलिस में झड़प

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में भाजयूमो कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका है। कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने जाते समय 10 कदम की दूरी पर सेंट जोंस चौराहा पुलिस से टकराव हो गया। पुलिस उन्हें आगे बढ़ने से रोक रही थी। नाराज कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी मुर्दाबाद का नारा लगाया। देश का गद्दार बताते हुए चौराहा पर पुतला फूंक दिया। प्रदर्शनकारियों को रोकने में पुलिस को 30 मिनट लगे। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को कांग्रेस कार्यालय की तरफ जाने से रोका और राहुल गांधी का पुतला छीनने की कोशिश की। इस बीच कुछ कार्यकर्ताओं ने पीछे ही दूसरे पुतले में आग लगा दी। भाजपा के कार्यकर्ताओं के उग्र प्रदर्शन से पूरा एमजी रोड भी जाम हो गया। राहुल गांधी की कब्र खोदने के नारे लगाए। दरअसल, भाजयूमो की ओर से पहले ही ऐलान किया गया था कि उसकी ओर से आज कांग्रेस पार्टी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। इस प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में कांग्रेसी भी वहां पहुंच गए। किसी तरह के टकराव से बचने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा। युवा मोर्चा के अध्यक्ष प्रियांशु दत्त द्विवेदी की ओर से पहले ही ऐलान किया गया था कि शनिवार दोपहर 2 बजे कार्यकर्ता राजा मंडी स्थित कांग्रेस कार्यालय पहुंचेंगे और विरोध प्रदर्शन करेंगे। युवा मोर्चा के प्रदर्शन को देखते हुए कांग्रेस कार्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई।

> भाजपा युवा मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री गौरव राजावत के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया था, वैश्विक स्तर पर जो भारत की जो मजबूती है उसे वह पचा नहीं पा रहे हैं।

क्षेत्रीय मंत्री बोले- कांग्रेस देश की तरक्की को पचा नहीं पा रही है

कांग्रेस खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे वाला काम कर रही है, इसीलिए आज भाजपा का युवा मोर्चा सड़कों पर उतरा है। इससे उन्हें हमारी ताकत पता चल जाएगी। यह प्रदर्शन कांग्रेस के मुंह पर तमाचा है। भारत का युवा भारत को गाली देने वाले का विरोध करेगा। इसीलिए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन और राहुल गांधी का पुतला दहन किया है। अगर कांग्रेस के कार्यकर्ता आमना-सामना करने के लिए तैयार थे वो यहां आते, कार्यालय के अंदर बैठकर शोर मचाने से कुछ नहीं होगा।

विरोध कर रहे भाजयूमो कार्यकर्ता पुलिस की गाड़ी पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे।

अग्निवीर धीरज गुप्ता का पार्थिव शरीर पहुंचा घर, अंतिम दर्शन को उमड़ा सैलाब

भारत-पाक सीमा नगरोटा में अग्निवीर धीरज गुप्ता हुए शहीद

तमसा संकेत, संवाददाता

भदोही। जम्मू कश्मीर के नगरोटा में शहीद जवान धीरज कुमार गुप्ता का पार्थिव शरीर पूरे सैनिक सम्मान के साथ शनिवार को सेना के वाहन से घर लाया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में जवान को अंतिम विदाई देने के लिए सैलाब उमड़ पड़ा। पूरा आसमान अमर शहीद धीरज गुप्ता जिंदाबाद के जयघोष से गूंज उठा। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के अग्निवीर धीरज कुमार गुप्ता (26) औराई के जेटुपुर गांव के निवासी रहे। 2023 में अग्निवीर के तहत उनकी नियुक्ति हुईं थी।19 फरवरी बुधवार को जम्बू कश्मीर के नगरोटा में रात आतंकी हमले में शहीद हो गए थे। धीरज गुप्ता मार्च 2023 में अग्निवीर बने थे और भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात थे। तभी आतंकवादियों ने पीछे से फायरिंग कर दी, जिसमें वे वीरगति को प्राप्त हुए। सेना के मेजर ने छोटे भाई दीपक को फोन कर बताया कि जम्बू -कश्मीर के नगरोटा पोस्ट पर तैनात रहे। रात्रि 12 बजे के आसपास उनके माथे पर स्नाइपर शाट लगा। इससे किसी को जानकारी नहीं हो सकी। सुबह ड्यूटी से लौटने पर एक जवान कम होने पर खोजबीन की गई तो उनका शव मिला। उनका पार्थिव शरीर जम्मू-कश्मीर से विशेष वाहन द्वारा लाया गया। शनिवार को रामपुर गंगा घाट पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। धीरज की शादी 20 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित थी। औराई में अमर शहीद का पार्थिव शरीर राशि पहुंचते ही हजारों की संख्या में सैलाब उमर पड़ा और लोग धीरज गुप्ता के अंतिम दर्शन के लिए पहुंच गए। इस दौरान अमर शहीद जिंदबाद... जब तक सूरज चांद रहेगा धीरज तेरा नाम रहेगा जैसे नारे आसमान में गूंज रहे थे। सेना के वाहन पर राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा था और अग्नि वीर धीरज गुप्ता की देश के लिए बलिदान की याद दिला रहा था। शहीद के पिता श्यामसुंदर गुप्त का पहले ही निधन हो चुका है।

फास्ट न्यूज

मुस्लिम युवती ने नाम बदलकर प्रेमी संग रचाई शादी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के बिलारी थाना क्षेत्र के गांव सनाई में एक अंतरधार्मिक प्रेम विवाह का मामला सामने आया है। गांव की निवासी मुंतरीन ने अपना नाम बदलकर मुस्कान रख लिया और गांव के ही युवक अजय के साथ मंदिर में विवाह कर लिया। इस विवाह से युवती के परिजन कथित तौर पर नाराज हैं। जानकारी के अनुसार, सनाई निवासी अजय और मुंतरीन के बीच पिछले लगभग तीन वर्षों से प्रेम संबंध थे।

3,400 किसानों को 1.06 करोड़ फसल बीमा राशि

गाजीपुर। गाजीपुर में कृषि, राजस्व और आपदा विभागों के संयुक्त कार्यक्रम के तहत 3,400 किसानों के खातों में फसल राहत बीमा योजना के तहत 1.06 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की गई। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के तहत 76 लाभार्थियों को 5-5 लाख रुपये प्रदान किए गए। कार्यक्रम में 517 आपदा मित्रों का भी बीमा कराया गया, जिससे उन्हें आकस्मिक घटनाओं में लाभ मिल सके। यह पहल किसानों को फसल और दुर्घटना दोनों ही नुकसानों का त्वरित समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है।

डांसर के साथ दुल्हन का भाई भागा

अलीगढ़। अलीगढ़ में बहन की शादी में नाचने के लिए बुलाई गई एक डांसर दुल्हन के भाई को लेकर भाग गई। दुल्हन के भाई बिलाल की शादी एक महीने पहले ही हुई थी। दरअसल, आधी रात जब डांस का प्रोग्राम खत्म हो गया तो बिलाल डांसर को छोड़ने उसके घर गया था। इस बीच रास्ते में बातचीत के दौरान बिलाल को डांसर सोनी से प्यार हो गया। दोनों के बीच प्रेम संबंध इस कदर बढ़ गया कि बिलाल ने अपनी नई-नवेली दुल्हन से बात करना बंद कर दिया।

खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 6 हजार किलो सरसों तेल जब्त

16 लाख कीमत का 'गोपीचंद' ब्रांड तेल सीज

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। डॉ. अंकिता यादव के नेतृत्व में फतेहपुर खाद्य निरीक्षक की टीम ने फतेहपुर क्षेत्र में छापेमारी कर भारी मात्रा में संदिग्ध व एक्सपायरी खाद्य सामग्री जब्त की। जानकारी के अनुसार, टीम ने सोना गोल्ड वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड, UPSIDC, फतेहपुर परिसर में छापा मारा। निरीक्षण के दौरान वहां रखे गए ब्रांड 'गोपीचंद सरसों तेल' के 6000 किलोग्राम सरसों तेल को जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 16 लाख रुपये बताई गई है। प्रथम दृष्टया तेल की गुणवत्ता और मानकों को लेकर संदेह पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई। इसके साथ ही निरीक्षण के दौरान 420 किलोग्राम एक्सपायर्ड सरसों तेल भी पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 30,816 रुपये आंकी गई है। एक्सपायरी डेट समाप्त होने के बावजूद उक्त तेल को भंडारित किए जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत इसे तत्काल होल्ड पर रखा गया है, ताकि इसे बाजार में बिक्री से रोका जा सके। खाद्य निरीक्षक डॉ. अंकिता यादव ने बताया कि जब्त किए गए सरसों तेल के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार संबंधित फर्म के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

8 साल की बच्ची से रेप, हालत नाजुक

दादी के मायके शादी में गई थी, घर से 200 मीटर दूर खून से लथपथ मिली

> पुलिस ने आरोपी अशोक को अरेस्ट किया है। शादी के दिन ड्रोन रिकॉर्डिंग में बच्ची को लेकर जाते दिखा था।

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में 8 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। मासूम अपनी दादी के मायके एक शादी में गई थी। शादी स्थल से करीब 200 मीटर दूर बच्ची खून से लथपथ मिली। परिजन उसे लेकर स्थानीय अस्पताल पहुंचे लेकिन उसकी हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना शनिवार तड़के पीपीगंज थानाक्षेत्र की है। मासूम सिद्धार्थनगर की रहने वाली है। परिजन की तहरीर पर रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। परिजन के मुताबिक, जयमाला के बाद उसे ढूंढ़ने लगे तो वह नहीं मिली। ड्रोन वीडियो रिकॉर्डिंग को खंगाला गया तो वह गांव के ही एक व्यक्ति के साथ जाती दिखी थी। सिद्धार्थनगर की रहने वाली पीड़िता की दादी का मायके गोरखपुर के पीपीगंज क्षेत्र के एक गांव में है। दादी के भतीजी की शादी शुक्रवार को थी। इसमें वह अपने दादी के साथ पहुंची थी। दादी के अनुसार, जयमाला कार्यक्रम के बाद साढ़े 11 बच्ची अचानक उनकी पोती गायब हो गई। परिवार के लोग उसे खोजने लगे लेकिन कहीं पता नहीं चला। इसके बाद ड्रोन से की जा रही रिकॉर्डिंग देखी गई। इसमें आरोपी अशोक निषाद उर्फ टुनटुन (20) के साथ बच्ची जाती दिखाई दी। परिवार के साथ गांव के लोग भी बच्ची को खोजने लगे। देर रात में शादी समारोह स्थल से करीब 200 मीटर दूर सूनसान जगह पर बच्ची खून से लथपथ मिली। परिजन उसे लेकर आनन फानन में स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां बच्ची की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल लाया गया। यहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। डॉक्टर्स के अनुसार, बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है।

> *सीओ कैंपियरगंज सीओ अनुराग सिंह ने बताया- शनिवार तड़के 3 बजे 8 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना की 112 पर सूचना मिली थी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित बच्ची के बाबा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।*

किसानों को मिला बीमा मुआवजा, मुख्यमंत्री ने वन क्लिक डीबीटी से भेजी धनराशि

बाराबंकी। दिनांक 21 फरवरी 2026 को प्रातः 10:00 बजे मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं कृषक दुर्घटना बीमा योजना के लाभार्थियों को मुआवजे की धनराशि का वन क्लिक डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया गया। जनपद बाराबंकी में उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में कराया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती राजरानी रावत, जिलाध्यक्ष, भाजपा, जिला पंचायत सदस्य डॉ0 अवधेश वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी बाराबंकी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बाराबंकी, उप कृषि निदेशक बाराबंकी के साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं कृषक दुर्घटना बीमा योजना के लाभार्थियों सहित 50 से अधिक कृषक भाई एवं महिला लाभार्थी सम्मिलित हुए।

बेकाबू वैन तालाब में पलटी, 4 के शव घर पहुंचे

मां-बाप, बेटी और नाती का अंतिम संस्कार हुआ, तेरहवीं से कानपुर लौट रहा था परिवार

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर देहात में बेकाबू वैन तालाब में पलट गई। कार में सवार एक ही परिवार के 4 लोगों की डूबकर मौत हो गई। मरने वालों में बुजुर्ग पति-पत्नी, बेटी और 1 साल का नाती शामिल हैं। कल्याणपुर में मृतक पति-पत्नी का शव पहुंचा है। वहीं, इनकी बेटी और नाती का शव शिवराजपुर में उनकी ससुराल ले जाया गया। मां-पिता का शव देखकर बेटी दीक्षा चीखने लगी। परिवार के लोगों ने चुप कराने की कोशिश की। बेटी दीक्षा बोली- मम्मी पापा दोनों लोगों ने साथ छोड़ दिया, अब मेरे हाथ कौन पीले करेगा। चारों शवों का अंतिम संस्कार शिवराजपुर के खरेश्वर घाट पर हुआ। कल्याणपुर विधानसभा से विधायक नीलिमा कटियार ने परिवार वालों से मुलाकात की। नीलिमा कटियार ने परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। परिवार कानपुर शहर के कल्याणपुर में आवास विकास का रहने वाला था। औरैया में तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने गया था। शुक्रवार देर शाम परिवार औरैया से लौट रहा था। तभी रास्ते में कार बेकाबू होकर तालाब में गिर गई। पुलिस ने गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से लोगों को तालाब से बाहर निकाला। सभी को तत्काल सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टरों ने मासूम समेत चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया है। घटना जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर बैरी शिवली थाना क्षेत्र के सवाई गांव के पास की है। कानपुर शहर के कल्याणपुर स्थित आवास विकास के रहने वाले राजकिशोर अग्निहोत्री (60) की सास की मौत 13 दिन पहले हुई थी। राजकिशोर और परिवार के 11 लोग वैन से औरैया में साहयल गांव तेरहवीं में गए थे। सभी शुक्रवार शाम वापस कल्याणपुर घर लौट रहे थे। इसी दौरान कानपुर देहात के शिवली कोतवाली क्षेत्र के बैरी सवाई गांव के पास वैन बेकाबू होकर तालाब में गिर गई। धीरे-धीरे गहरे पानी में चली गई। कार के डोर लॉक हो गए। लोग अंदर छटपटाते रहे। चीख पुकार सुनकर वहां से गुजर रहे लोग मदद को पहुंचे। शिवली थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार सिंह ने जेसीबी मंगवाकर कार को बाहर निकलवाया। स्थानीय गोताखोरों की मदद से कार के दरवाजे तोड़कर 10 में से 8 लोग बाहर निकाले गए। चालक राजकुमार समेत दो लोग लापता थे। पुलिस ने सभी को शिवली सीएचसी भिजवाया। जहां 4 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

> एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने बताया-शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। चार की जान गई है। मृतकों के परिजन कानपुर से घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं। कार चालक राजकुमार घटना के बाद से लापता है और उसकी तलाश जारी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

सभी को सीएचसी में भिजवाया गया।

मां-पिता का शव देखकर बेटी दीक्षा चीखने लगी। परिवार के लोगों ने चुप कराने की कोशिश की।

रमजान और होली को लेकर सूरतगंज में पीस कमेटी बैठक

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट से बचने की चेतावनी

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। आगामी रमजान और होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को सूरतगंज स्थित पुलिस चौकी परिसर में थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष मिश्रा के निर्देश पर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चौकी इंचार्ज उमेश कुमार वर्मा ने की, जिसमें क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, गणमान्य नागरिकों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था को बनाए रखना और सामाजिक समरसता को मजबूत करना रहा। चौकी इंचार्ज ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रमजान और होली दोनों ही पर्व प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश देते हैं। ऐसे में सभी की जिम्मेदारी है कि इन त्योहारों को पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए आपसी सौहार्द बनाए रखें। उन्होंने विशेष रूप से सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की भड़काऊ, आपत्तिजनक या भ्रामक पोस्ट साझा करने से बचें। यदि किसी प्रकार की अफवाह फैलती है तो उसकी सत्यता जाने बिना उस पर प्रतिक्रिया न दें और तत्काल पुलिस को सूचित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाई जाएगी तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

पूछताछ : कानपुर का ठग 4 देशों के राष्ट्रपति से मिला, 9 राज्यों तक कैसे फैला सिंडिकेट

फर्जी डिग्री से कमाई का 60% कमीशन यूनिवर्सिटी ले रहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में बिना परीक्षा दिए मार्कशीट और डिग्रियां दिलाने वाला सिंडिकेट पकड़ा गया। मास्टर माइंड मैथ टीचर शैलेंद्र से पुलिस ने बंद कमरे में पूछताछ की। जो कुछ सामने आया, वो बेहद चौंकाने वाला था। बीटेक, बी. फार्मा, एलएलबी की डिग्रियां दिलाने वाला सिंडिकेट सिर्फ 40% कमीशन पर काम करता था। फर्जी डिग्रियों से कमाई का 60% विश्वविद्यालयों के क्लर्क और कर्मचारियों के पास जाता था। इस सिंडिकेट के सरगना शैलेंद्र ने एडमिशन एजेंट की तरह काम शुरू किया था, मगर धीरे-धीरे कई विश्वविद्यालयों के क्लर्क और कर्मचारी उसके संपर्क में आ गए। इसके बाद वह फर्जी मार्कशीट और डिग्री बनाने लगा। इस तरह ये सिंडिकेट 9 राज्यों की 14 यूनिवर्सिटी तक पहुंच गया। पुलिस को छापेमारी में इन यूनिवर्सिटी की 900 से ज्यादा फर्जी मार्कशीट और डिग्रियां मिली थीं।

भाई का प्रवेश पत्र लेने पुलिस के पास पहुंचा पीड़ित

फर्जी डिग्री सिंडिकेट का खुलासा होने के बाद उससे पीड़ित लोग पुलिस के पास पहुंचने लगे हैं। शुक्रवार को आजमगढ़ के महेंद्र यादव किदवई नगर थाने पहुंचे। उन्होंने बताया- मैं किदवई नगर में रहकर चौकीदारी का काम करता हूं। मेरे भाई प्रभात यादव ने 2024-25 में आजमगढ़ से गणित विषय से इंटर की परीक्षा पास की थी। इसके साथ ही सीएसजेएमयू की 100 माइग्रेशन सर्टिफिकेट की बुकलेट मिली, जिसमें से 80 सर्टिफिकेट लोगों को बांटे जा चुके हैं।

> सिंडिकेट के शैलेंद्र ने पुलिस को बताया- वह 2 से 3 दिन के अंदर किसी भी तरह की डिग्रियां लोगों को मुहैया करा देते थे, हर डिग्री मार्कशीट में उन्हें तय की गई रकम से 40% मिलता था, जबकि उसका 60% हिस्सा विभिन्न यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों को जाता था।

इस बिल्डिंग के सेकेंड फ्लोर में फर्जी मार्कशीट और डिग्री का ऑफिस चल रहा था। पुलिस ने इसको सील कर दिया है।

लिंग्या यूनवर्सिटी की सभी डिग्रियां फर्जी मिली

DCP साउथ के मुताबिक सिंडिकेट के मेंबरों ने सबसे ज्यादा एलएलबी, बीफार्मा और डीफार्मा की डिग्रियां मिली हैं। इसके साथ ही सीएसजेएमयू की 100 माइग्रेशन सर्टिफिकेट की बुकलेट मिली, जिसमें से 80 सर्टिफिकेट लोगों को बांटे जा चुके हैं।

विशेष अभियान 22 फरवरी को अपने बूथ पर जाएं

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत चौथा विशेष अभियान दिवस आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 नवदीप रिणवा द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत दावा एवं आपत्ति अवधि में अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में सम्मिलित करने तथा मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाए रखने हेतु चार विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व में दिनांक 11 जनवरी, 18 जनवरी तथा 31 जनवरी 2026 को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जा चुके हैं। इसी क्रम में रविवार, दिनांक 22 फरवरी 2026 को प्रदेश के समस्त मतदेय स्थलों पर चौथा विशेष अभियान दिवस आयोजित किया जा रहा है। विशेष अभियान दिवस पर प्रत्येक मतदेय स्थल पर प्रातः 10:30 बजे से बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहेंगे। जहां उनके साथ प्रत्येक बूथ पर सभी सम्बंधित विभागों यथा राजस्व, शिक्षा,स्वास्थ्य सहित अन्य के ग्राम स्तरीय कार्मिक बूथों पर बैठक करके अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान देंगे।सभी बीएलओ के पास 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची तथा पर्याप्त संख्या में फार्म-6, 6।, 7 एवं 8 उपलब्ध रहेंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क की व्यवस्था भी की जाएगी, जहां मतदाताओं को फार्म भरने में आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रयागराज में दोनों को दौड़ाकर पकड़ा, कारोबारी को किडनैप किया था, मेरठ पुलिस की टीम प्रयागराज पहुंची

एनकाउंटर का डर दिखाकर 20 लाख वसूलने वाला दरोगा अरेस्ट

शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में एनकाउंटर का डर दिखाकर धागा कारोबारी से 20 लाख रुपए वसूलने वाले दो दरोगा को पुलिस ने प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। ये दोनों दरोगा पिछले 10 दिनों से फरार चल रहे थे।

मेरठ पुलिस को इनपुट मिला था कि दोनों आरोपी प्रयागराज में एक वकील से मिलने पहुंचेंगे। वे वकील के जरिए हाईकोर्ट में अपील कर गिरफ्तारी से बचने की तैयारी में थे। सूचना मिलते ही मेरठ पुलिस की टीम प्रयागराज पहुंच गई।

शुक्रवार शाम को जैसे ही दोनों दरोगा लोकेंद्र साहू और महेश गंगवार वकील के चेंबर में पहुंचे, पुलिस ने उन्हें घेर लिया। दोनों ने भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने दौड़ाकर उन्हें पकड़ लिया। दोनों दरोगा लोहियानगर थाने में तैनात थे। कारोबारी ने बताया- फिर दोनों दरोगाओं ने 20 लाख रुपए की डिमांड कर दी। मैंने अपने बहनोई नईम को फोन किया और रुपए लेकर आने के लिए कहा। थोड़ी देर बाद बहनोई अपने रिश्तेदार के साथ 14 लाख रुपए लेकर मौके पर पहुंचे। बैग दोनों दरोगा को थमा दिया।

'जबरन कार में बैठाया, कहा- फंडिंग करता है, रासुका लगाएंगे'

मेरठ के इस्लामाबाद रिक्शा रोड के रहने वाले रासिख की एमएसआरएस टेक्सटाइल नाम की फर्म है। कारोबारी ने बताया- 8 दिसंबर को मैं नौचंदी के पास से अपनी दुकान से लौट रहा था। तभी रास्ते में आजाद रोड पर एक कार आकर रुकी।

कार में पुलिस के दो दरोगा बैठे थे। एक कार से नीचे उतरा और जबरन मुझे गाड़ी में डाल लिया। धमकाते हुए कहा- फंडिंग करता है। तेरे पर रासुका लगाएंगे। दोनों दरोगा उसे हापुड़ ले गए। उस पर हवाला का पैसा मंगाकर फंडिंग करने का आरोप लगाया।

यह धागा कारोबारी रासिख हैं। इनकी शिकायत पर दोनों दरोगा पर एक्शन हुआ।

रास्तेभर टॉर्चर किया, मेरी तबीयत बिगड़ने लगी

कारोबारी ने बताया- रास्ते भर मुझे बुरी तरह टॉर्चर किया, जिससे मेरी तबीयत बिगड़ने लगी। हापुड़ ले जाकर गोली मारने की धमकी दी। हवाला में पैसा लगाने का आरोप लगाते रहे। हापुड़ से लौटते समय ये दोनों मुझे अल्लीपुर के जंगल ले गए। वहां मनमानी वीडियो बनवाई। इतना डरा दिया कि मैं खुद को बचाने के लिए वही करने लगा, जो दरोगा बोलते गए। दोनों दरोगा ने तत्काल 50 लाख रुपए की व्यवस्था करने का दबाव बनाया। कहा- रकम आते ही छोड़ देंगे। नहीं तो गोली मारकर जेल भेज देंगे। मैंने कहा- इतनी बड़ी रकम की एकाएक व्यवस्था करना संभव नहीं है।

कैसे खुला दोनों दरोगा का राज?

आरोपों की पुष्टि के लिए अफसरों ने दोनों दरोगा को अपने भरोसे में लिया। कहा- पैसे वापस कर दो, कार्रवाई नहीं होगी। इसके बाद दरोगा ने 14 लाख कैश कारोबारी को किसी से भिजवा दिए। पुष्टि होते ही पुलिस ने 6 फरवरी को दोनों के खिलाफ कारोबारी की शिकायत पर FIR दर्ज की। एफआईआर दर्ज होते ही दोनों दरोगा फरार हो गए थे।

झांसी में साली की शादी में जीजा का सुसाइड

शादी की खुशियां मातम में बदली

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में साली की शादी में आए जीजा ने सुसाइड कर लिया। मैरिज गार्डन में विदाई होती, उससे पहले ही वो घर के लिए निकल पड़ा। मां को घर भेज दिया और वो बाइक उठाने के बहाने ससुराल चला गया। वहां पर कमरे के अंदर फांसी लगा ली। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में ले लिया। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। जीजा के सुसाइड से शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पूरा मामला टोड़ी फतेहपुर कस्बे का है।

मृतक का नाम राहुल पाठक (30) पुत्र रामकुमार पाठक था। वह बबीना कैंट का रहने वाला था। परिजनों ने बताया कि राहुल की शादी टोड़ी फतेहपुर के मोहल्ला फतेहपुर निवासी सोनम से हुई थी।

उनकी दो साल की एक बेटी है। मृतक के भाई ध्रुव पाठक ने बताया- मेरे भाई राहुल की साली सोनाली की 19 फरवरी को शादी थी। इसमें शामिल होने के लिए राहुल ससुराल आया था।

शादी चिरगांव के एक मैरिज गार्डन से हुई। राहुल के ससुर विनोद भूमिया का निधन हो चुका है। उसके कोई साला भी नहीं था। ऐसे में राहुल ही शादी की जिम्मेदारी निभा रहा था। शुक्रवार सुबह साली की विदाई से पहले राहुल अपनी मां के साथ घर के लिए रवाना हो गया।

फास्ट न्यूज

कुबेरपुर-यमुना ब्रिज के बीच तीसरी रेल लाइन बिछेगी

आगरा । आगरा रेल मंडल के रेल ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए रेलवे प्रशासन ने कुबेरपुर रेलवे स्टेशन से यमुना ब्रिज स्टेशन के बीच तीसरी रेल लाइन (थर्ड लाइन) बिछाने की योजना को स्वीकृति दे दी है। 9.77 किमी की तीसरी लाइन बनाई जानी है, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों जैसे लखनऊ, कानपुर और पटना समेत अन्य क्षेत्रों से कनेक्टिविटी और मजबूत होगी।

मांट में अपर पुलिस अधीक्षक ने सुनी शिकायतें

मथुरा। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को तहसील मांट के सभागार में सुरेश चंद्र रावत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा उपस्थित होकर अन्य अधिकारियों के साथ जनसुनवाई की गई 1 समस्त विभागों के कुल 42 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए 1 08 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया 1 शेष प्रार्थना पत्रों के निराकरण हेतु संबंधित विभागों को समयबद्ध निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया 1 पुलिस विभाग से संबंधित कुल 09 प्रकरण प्राप्त हुए जिनके समयबद्ध निस्तारण के साथ-साथ निरोध आत्मक कार्यवाही किए जाने हेतु भी निर्देशित किया गया ।

क्रोएशिया के पीएम ने देखा ताजमहल

आगरा । क्रोएशिया के प्रधानमंत्री एंड्रेज प्लेनकोविक के आगरा दौरे के दौरान शहर में ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई। उनके काफिले के गुजरने के दौरान करीब दो किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। वहीं करीब दो घंटे तक बंद रहने के बाद जैसे ही ताजमहल खुला, दोनों गेटों पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी—पूर्वी गेट पर लंबी लाइन तो पश्चिमी गेट पर जबरदस्त भीड़ देखने को मिली।

बरसाना में खाद्य विभाग ने नमूने संग्रहित कर प्रयोग शाला भेजे

मिलावट खोरों पर होगी सख्त कार्यवाही

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी के निर्देशानुसार आगामी त्योहार होली/रंगोत्सव पर्व के दृष्टिगत कस्बा बरसाना, जनपद मथुरा में आम जनमानस एवं आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ व गुणवत्ता-युक्त खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु मोहर सिंह कुशवाह, धर्मेन्द्र सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के सचलदल द्वारा विशेष अभियान चलाकर सघन निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान मिलावट में संदेह के आधार पर बरसाना स्थित मिठाई की दुकानों से जांच हेतु केशर बर्फी का एक नमूना एवं पेड़े के दो नमूने तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी राम नरेश एवं रीना शर्मा द्वारा श्री कृष्ण जन्मभूमि के पास से केशर बर्फी एवं पेड़ा का एक-एक नमूना तथा वृन्दावन से

पेड़ा का एक नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरूण कुमार द्वारा मांट तहसील में बाजना से सरसों का तेल और छेना रसगुल्ला के नमूनें लिए गए। उक्त संग्रहित सभी आठ खाद्य नमूनें जांच हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किये जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जायेगी। साथ ही खाद्य कारोबारकर्ताओं को अपने प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थ की रेट लिस्ट लगाने, खाद्य पदार्थों को ढककर रखने व आस-पास स्वच्छता बनाये रखने हेतु प्रतिष्ठानों पर ढक्कनयुक्त डस्टबिन करने हेतु निर्देशित किया गया।

50 लाख के एक्सपायर खजूर को बेचने की थी तैयारी

कानपुर। कानपुर में खाद्य विभाग ने रजनीश ट्रेडर्स में छापा मारा। टीम ने 50 लाख कीमत का 10 हजार किलो खजूर जब्त किए। यह खजूर साल 2022-23 में एक्सपायर हो चुका था। होली और रमजान के चलते कंपनी डिब्बों में नए स्टीकर लगाकर बाजार में बेचने की तैयारी में थी। टीम ने अलग-अलग स्थानों से कुल नौ सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक्यपायर खजूर मिलने के मामले में मुकदमा दर्ज कराने की तैयारी है। खोये में मिलावट की आशंका पर उसको तत्काल नष्ट कराया गया है। मछरिया नौबस्ता से टीम ने दो लाख 23 हजार 800 रुपए कीमत की कटी सुपारी मिली, जिसको तत्काल फेंकवा दिया गया। इसके अलावा टीम ने तिलसारी खुर्द से खोया व दूध, तिलसारी गांव से खोया, किदवई नगर से बर्फी, बेकनगंज से कचरी व लाल बंगले से पनीर का सैंपल लिया गया है।

प्रारंभिक ऑनलाइन चरण में देशभर से 40,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया

इंडिया एआई इम्पैक्ट बिल्डाथॉन में एमआईईटी के छात्रों का परचम

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया है। एमआईईटी के सीएसई (एआई एंड एमएल) तृतीय वर्ष के छात्र वरदान सिंह, शिवम अग्रवाल, वंश तोमर और यश वर्मा की टीम "सेंटिएंट मैवरिक्स" ने इंडिया एआई इम्पैक्ट बिल्डाथॉन 2026 में छात्र श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय हैकाथॉन भारत सरकार के इंडिया एआई मिशन एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा एचसीएल-गुवी के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह आयोजन इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का प्रमुख हिस्सा था,

जिसे वैश्विक दक्षिण में आयोजित पहला प्रमुख वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन था।

प्रारंभिक ऑनलाइन चरण में देशभर से 40,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस विशाल प्रतिस्पर्धा में से केवल शीर्ष 2 प्रतिशत प्रतिभागियों लगभग 850 प्रतिभाओं को, जिन्हें 200 उत्कृष्ट टीमों (छात्र एवं प्रोफेशनल श्रेणी) में विभाजित किया गया—ग्रैंड फिनाले के लिए चयनित किया गया।

यह एप्लीकेशन सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करती है

टीम द्वारा विकसित यह एप्लीकेशन फोन कॉल के दौरान सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करती है। कॉल के दौरान एआई मॉडल तुरंत आवाज़ की भौतिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, जैसे अस्वाभाविक पिच स्थिरता, रोबोटिक ध्वनि पैटर्न तथा 'परफेक्ट साइलेंस' जैसी मशीन-जनित आवाज़ की पहचान करने वाले संकेत। साथ ही, यह सिस्टम विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में उपयोग की जाने वाली दबावपूर्ण एवं भ्रामक भाषा की भी निगरानी करता है।

प्रतियोगिता के दौरान टीम ने छात्र श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त कर 40 हज़ार की नगद राशि जीती।

इस अवसर पर एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल,गौरव अग्रवाल, कैंपस निदेश-क डॉ संजय कुमार सिंह, डीन एकेडमिक्स डॉ संजीव सिंह,हेड डॉ रामबीर सिंह,अजय चौधरी ने बधाई दी।

झोलाछाप डॉक्टर ने घर में घुसकर किया रेप

कुशीनगर में लोगों ने हाथ-पैर बांधकर पीटा, 2 पत्नियों के साथ रहता है आरोपी

पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने रेप किया। किसी तरह उसे धक्का देकर वह भागी। बच्चों को जगाया। और चिल्लाकर लोगों को बुला लिया।

तमसा संकेत, एजेंसी

कुशीनगर। कुशीनगर में रेप के आरोप में एक झोलाछाप डॉक्टर की लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। आरोप है कि वह एक महिला के घर में घुस गया, उससे छेड़छाड़ की और धमकाकर रेप किया।

महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद उसकी पिटाई की गई और साड़ी से उसके हाथ-पैर बांधकर सड़क पर लिटा दिया गया।

घटना हनुमानगंज थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार

लोगों ने आरोपी को पकड़कर पीटने के बाद उसके हाथ-पैर साड़ी से बांध दिए।

कर लिया है। पिटाई और बंधक बनाने का वीडियो भी सामने आया है। पीड़ित महिला ने बताया- उसके दो बच्चे- एक 5 साल और एक 10 साल- के हैं। पति हैदराबाद कमाते हैं। गुरुवार रात में वह अपने बच्चों के साथ सो रही थी। रात करीब 11 बजे गांव का झोलाछाप डॉक्टर दिनेश मद्धेशिया घर के पीछे के दरवाजे पर पहुंचा और खटखटाने लगा। महिला ने बताया कि वह जैसे ही दरवाजा खोली, आरोपी ने उसे धक्का दिया और और अंदर घर में घुस गया। घर में वह मुझसे जबरदस्ती करने लगा। शोर मचाने पर गला दबाकर मारने की कोशिश की। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया - महिला की तहरीर पर आरोपी पर मुकदमा दर्ज किया गया है। महिला को मेडिकल के लिए भेजा जा रहा। दोनों पक्षों के बीच पहले भी विवाद हुआ था। जिसमें समझौता हो गया था, लेकिन इस बार कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गांव के लोगों ने पकड़कर बांधा

महिला की आवाज सुनकर गांव के लोग दौड़े पहुंचे। लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई करने के बाद सड़क पर लाकर उसे साड़ी से बांध दिया। पीड़िता ने भी आरोपी को कई थप्पड़ मारे। गांव की महिलाओं ने भी उसकी पिटाई की। देखते ही देखते काफी संख्या में लोग जुट गए थे। लोगों ने पुलिस को भी सूचना दी। करीब एक घंटे बाद पुलिस पहुंची। पुलिस ने लोगों से आरोपी को छुड़ाया और हिरासत में ले लिया।

आरोपी की दो पत्नियां, छह बच्चे है

पीड़िता के अनुसार, आरोपी पहले भी कई बार गलत इरादे से घर में घुस चुका था। करीब तीन-चार साल पहले भी ऐसी ही एक घटना हुई थी, लेकिन तब गांव के लोगों ने समझौता करा दिया था। गांव वालों के अनुसार, आरोपी ने दो शादियां की हैं। दोनों पत्नियां साथ रहती हैं। दोनों से उसके छह बच्चे हैं। वह गांव में एक क्लिनिक खोल रखा है लेकिन उसके पास कोई मेडिकल डिग्री नहीं है।

आयोजन : रमणरेती में संत और श्रद्धालुओं ने जमकर खेली होली

अबीर गुलाल रंगों से सराबोर हुए श्रद्धालु

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। ब्रज की पावन धरती पर होली का रंग अब पूरी तरह चढ़ने लगा है शनिवार को गोकुल महावन के रमणरेती आश्रम में भव्य और पारंपरिक होली उत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। गुरुशरणानन्द संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं ने मिलकर ऐसी होली खेली कि पूरा वातावरण रंग, भक्ति और उल्लास से सराबोर हो उठा। कार्ष्णि आश्रम के संत गुरुशरणानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित इस विशेष उत्सव में देश-विदेश से हजारों भक्त कान्हा की नगरी पहुंचे। जैसे ही संतों की टोली ने होली की शुरुआत की, वैसे ही अबीर-गुलाल और टेसू के रंगों की बारिश शुरू हो गई।

आसमान तक रंगों से सतरंगी नजर आने लगा और हर ओर "राधे-राधे" और "होली है" के जयकारे गूंजने लगे। बताया जा रहा है कि इस आयोजन के लिए खास तौर पर दस हजार लीटर टेसू का रंग तैयार किया गया था। इसके अलावा छह क्विंटल अबीर-गुलाल, दो किलो चंदन और करीब सौ ग्राम केसर का भी उपयोग किया गया, जिससे पूरा परिसर सुगंधित और रंगीन हो उठा। रमणरेती आश्रम का यह वार्षिकोत्सव हर साल भव्य रूप में मनाया जाता है और संतों की टोली द्वारा खेली जाने वाली होली इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होती है। श्रद्धालु संतों के साथ झूमते, नाचते और भक्ति में लीन होकर होली का आनंद लेते नजर आए। इस दौरान फूलों की वर्षा की गई और रमणरेती की पवित्र रज के साथ भक्तों ने होली खेलकर खुद को धन्य माना। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मंचन भी किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। साथ ही होली के पारंपरिक रसिया गीतों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। ढोल, मंजीरे और झांझ की धुनों पर श्रद्धालु झूमते रहे और उत्सव देर तक चलता रहा।

पृष्ठ 01 का शेष...

चिप बाजार में ...

मैसर्स इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने ये सेमीकंडक्टर यूनिट लगाई है। ये कंपनी HCL और फॉक्सकॉन का जाइंट वेन्चर है। कंपनी के लिए सेक्टर-28 में 48 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। कंपनी यमुना सिटी में 3706.15 करोड़ का निवेश करेगी।

ये नई फैक्ट्री टेक्नोलॉजी पावर हाउस के रुप में काम करेगी। नई पहचान दिलाएगी। फैक्ट्री की वजह से उप्र युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा। जहां सेमी कंडक्टर यूनिट आती है वहां डिजाइन हाउस आरएंडी आती है स्टार्टअप आता है। ये सब यूपी में होने जा रहा है। अक्सर कहता हूं भारत का दशक है। जो टेक्नॉलाजी के लिए जो कुछ कर रहा है वो 21वीं सदी का आधार बनेगा। ग्रीन एनर्जी हो या डिजिटल टेक्नोलॉजी हो, चाहे मैन्यूफैक्चरिंग हो या एआई हो। मानवता का भविष्य तय करने वाला भारत आज निवेश कर रहा है। देश में सशक्त सेमी कंडक्टर का विकास भी इसका उदाहरण है।

फैक्ट्री की वजह से ...

आधुनिक दुनिया को चलाने के लिए प्रोसेसिंग पावर की जरुरत है। दुनिया के टॉप देशों के साथ आने का प्रयास कर रहा है। भारत सॉफ्टवेयर और हार्ड वेयर दोनों पर काम कर रहा है। हम सभी के लिए गर्व की बात है। उप्र भी और भारत भी सेमी कंडक्टर इको सिस्टम का बड़ा हिस्सा बनने जा रहा है।

'प्लेन क्रैश साजिश ...

रोहित ने आरोप लगाए जिस CVR की हम बात कर रहे हैं, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर, उसकी उस उड़ान में रिकॉर्डिंग क्षमता केवल 30 मिनट की थी। लेकिन यदि आप सरकारी नियमों को देखें, तो डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशा-लय) की आवश्यकता दो घंटे की रिकॉर्डिंग की है। तो अगर विमान का CVR केवल 30 मिनट रिकॉर्ड कर सकता था, जबकि नियम दो घंटे का है, तो उस विमान का रजिस्ट्रेशन कैसे हुआ? यह बात हम सभी जानना चाहते हैं

यह दुर्घटना से पहले के अंतिम 30 मिनटों का रिकॉर्ड है, यानी यह आखिरी दर्ज किया गया हिस्सा है। उन अंतिम 30 मिनटों में क्या हुआ, इसकी जानकारी केवल CVR से ही मिल सकती है। कहा जा रहा है कि CVR क्षतिग्रस्त हो गया है, लेकिन हमें इस पर विश्वास नहीं है।

मुद्दा यह है कि वास्तव में उसमें क्या रिकॉर्ड हुआ था। उस रिकॉर्डिंग से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। ऐसे तथ्य जिन्हें शायद VSR या VSR का समर्थन करने वाले लोग उजागर नहीं होने देना चाहते हैं, जिस VSR कंपनी की तरफ से यह फ्लाइट ऑपरेट की जा रही थी, उसके खिलाफ पहले से ही कई शिकायतें हैं। कंपनी में मैकेनिकल और मेंटेनेंस से जुड़ी समस्याएं थीं।

दिल्ली में आतंकी ...

सूत्रों के मुताबिक चांदनी चौक इलाके का मंदिर भी आतंकियों के टारगेट पर है। इसके चलते दिल्ली के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है।

हालांकि इन सूचनाओं की अभी जांच की जा रही है, लेकिन एहतियात बरती जा रही है। यह अलर्ट 10 नवंबर 2025 को लाल किले के पास हुए एक कार बम धमाके के बाद आया है। उस धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई थी और 20 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास विस्फोटकों से भरी कार फटने से आसपास खड़ी कई गाड़ियों में आग लग गई थी और इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी।6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद की मस्जिद में हुए धमके का बदला लेने के लिए लश्कर भारत में बड़ी आतंकी वारदात के फिराक में है।

एआई समिट ...

मुंबई के मुलुंड में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के काफिले को काले झंडे दिखाए। उधर, AI समिट में हंगामा करने वाले कांग्रेस के चारों कार्यकर्ताओं को आज पटियाला कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने कोर्ट में कहा कि प्रदर्शन करने वाले नेपाल के Gen-Z आंदोलन से प्रेरित थे। यह प्रदर्शन एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। हंगामे के दौरान कई ग्लोबल लीडर्स और टेक इंडस्ट्री के एक्सपर्ट वहां मौजूद थे। पुलिस ने कहा कि यह जांच करनी है कि आरोपियों ने PM मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट किससे छपवाई। इसके अलावा उनके मोबाइल फोन भी बरामद करने हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद पर ...

अदालत ने 13 फरवरी को अपना आदेश रिजर्व रखा था।

शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया- हम दर-दर भटक रहे थे। पुलिस के पास जा रहे थे। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। इसलिए न्याय के मंदिर में आए। आज लगा कि न्याय अभी जिंदा है। न्यायालय ने हमें आज न्याय दिया। मैं अब साफ-साफ कहना चाहता हूं कि शिष्यों के साथ यौन शोषण और समलैंगिक अपराध किया गया। इसकी पुष्टि न्यायालय ने कर दी है।

कोर्ट के फैसले के बाद शंकराचार्य ने कहा- यौन शोषण का केस फर्जी साबित होगा। ये बनाया हुआ मामला है। वह (आशुतोष महाराज) रामभद्राचार्य का एक चेला है। हिस्ट्रीशीटर है। उसने पहले भी लोगों के ऊपर झूठे केस किए हैं। वह लोगों को धमकाता है, धन उगाही करता है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा-रामभद्रा-चार्य से हम लोगों का वाकयुद्ध चलता रहता है। यह तो सभी लोग जानते ही हैं। उन्होंने हमारे ऊपर अपने चेले को आगे करके फर्जी मुकदमा करवाया है। वो चाहते हैं कि सरकार के खिलाफ गोमाता की रक्षा की आवाज हम नहीं उठाएं। इसलिए हमारे ऊपर यह सब हो रहा है।

शंकराचार्य ने कहा- न्यायालय का एक प्रोसिजर है, उसका हम सहयोग करेंगे। इसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। हमको पछतावा तब होता, जब हम कुछ इस तरह के होते। जब हम ऐसे हैं ही नहीं, तब क्या? बनावटी केस तो बनावटी ही रहने वाला है। इसलिए हम चाहते हैं कि जल्दी से जल्दी जांच हो जाए। पुलिस सरकार के अंडर में ही काम करती है।

अदालत ने माना...

केवल निजी शिकायत के रूप में मामला आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा।

जज ने आदेश दिया कि संबंधित थाना प्रभारी तत्काल FIR दर्ज करें। कानून के अनुसार स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करें। पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों का पालन किया जाए। पीड़ितों की पहचान और गरिमा की रक्षा की जाए। जांच रिपोर्ट अदालत में पेश की जाए।

अजय प्रताप सिंह ...

गोली चलने की आवाज सुनाई दी। घायल अवस्था में मंशाराम को किसी ने अस्पताल पहुंचाया, लेकिन स्थिति स्पष्ट नहीं हुई। अगले दिन जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के भेवापर माइनर के पास शव मिलने की सूचना मिली।

स्वजन के पहुंचने पर मृतक की पहचान मंशाराम के रूप में हुई। मृतक की चाची चंद्रावती ने जयसिंहपुर थाने में मुलायम यादव और अजय यादव के खिलाफ तहरीर दी।

एसआईआर...

गोवा और अंडमान-निकोबार की लिस्ट भी इसी महीने आने की संभावना है। यूपी में 10 अप्रैल को फाइनल लिस्ट आएगी। 12 राज्यों-UT में वोटर लिस्ट के SIR की प्रक्रिया 27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुई थी। इन राज्यों में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं।

वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, हटाने का काम जारी रहेगा। बीएलओ के पास फॉर्म भरकर अब भी वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाया जा सकता है। इसके लिए फॉर्म 6 भरना होगा। वोटर पोर्टल https://voters.eci.gov.in पर जाकर ऑनलाइन भी नाम जुड़वा सकते हैं। EC ने असम में हुए स्पेशल रिवीजन (SR) 2026 के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी की थी। EC के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की तुलना में 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं।

भारत-पाकिस्तान और इंग्लैंड को टक्कर दी, एसोसिएट देशों की मांग- हमें ज्यादा मैच चाहिए

टी-20 वर्ल्डकप में एसोसिएट देशों का बेहतर प्रदर्शन

तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एसोसिएट देशों ने अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया को चौंका दिया है। नीदरलैंड, नेपाल, अमेरिका, इटली और स्कॉटलैंड जैसी टीमों ने क्रिकेट के दिग्गजों को हार की कगार पर खड़ा कर दिया। आंकड़े गवाह हैं कि अब एसोसिएट और फुल मेंबर देशों (टेस्ट खेलने वाले देश) के बीच का अंतर तेजी से कम हो रहा है। हालांकि, इन टीमों के कोच और खिलाड़ियों का दर्द एक ही है उन्हें बड़े देशों के खिलाफ खेलने के पर्याप्त मौके नहीं मिलते। रिकॉर्ड्स बताते हैं कि आईसीसी और बड़े बोर्ड्स अक्सर छोटी टीमों को नजरअंदाज करते हैं। 2024 वर्ल्ड कप में सुपर-8 तक पहुंचने वाली अमेरिका की टीम ने इस वर्ल्ड कप तक किसी बड़े देश के खिलाफ एक भी मैच नहीं खेला। इसी तरह, 2022 में साउथ अफ्रीका को हराने वाली नीदरलैंड की टीम ने अगला टी-20 मैच सीधे 479 दिनों के बाद खेला। मौके कम मिलने के बावजूद इन टीमों के बेहतर प्रदर्शन की बड़ी वजह दुनियाभर में चल रही टी-20 लीग्स हैं। एंड्रीज गौस (यूएसए) और मोहम्मद वसीम (यूएई) जैसे खिलाड़ी राशिद खान, निकोलस पूरन और क्रिस वोक्स जैसे दिग्गजों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर कर रहे हैं। साथ ही, स्टुअर्ट लॉ (नेपाल), गैरी कर्स्टन (नामीबिया) और लालचंद राजपूत (यूएई) जैसे अनुभवी कोचों की मौजूदगी ने इन टीमों की सोच को प्रोफेशनल बनाया है।

> नेपाल की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 185 रनों का पीछा करते हुए जीत के बेहद करीब थी। लोकेश बम की 15 गेंदों पर 35 रनों की पारी ने इंग्लैंड की सांसें अटका दी थीं, लेकिन सैम करन ने मैच बचा लिया। उन्होंने 4 ओवर में 27 रन देकर 1 विकेट लिए।

भारत और पाकिस्तान के खिलाफ दिखी टक्कर

इस वर्ल्ड कप में कई ऐसे मौके आए जब बड़ी टीमें उलटफेर का शिकार होते-होते बचीं। नीदरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की टीम 148 रन का पीछा करते हुए 114 रन पर उसके 7 विकेट गिर गए थे। मैक्स ओ'डॉड से एक कैच छूटा और फहीम अशरफ ने अंत में छक्का जड़कर मैच पाकिस्तान की झोली में डाल दिया। भारत के खिलाफ अमेरिका ने भी शानदार शुरुआत की थी और 10वें ओवर तक भारत का स्कोर 63/4 कर दिया था। शुभम रांजणे ने अगर सूर्यकुमार यादव का कैच न छोड़ा होता, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। सूर्या ने 84 रनों की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई।

नेट प्रैक्टिस से नहीं, मैच खेलने से आएगा कॉन्फिडेंस

UAE के कोच लालचंद राजपूत ने एसोसिएट देशों की समस्या पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा,'आप कितनी भी नेट प्रैक्टिस कर लें, लेकिन जब तक आप मैदान पर मुश्किल स्थितियों (जैसे 80/5 का स्कोर) का सामना नहीं करेंगे, तब तक दबाव झेलना नहीं सीखेंगे। जब आप अच्छी टीमों के खिलाफ खेलेंगे, तभी आप में यह भरोसा आएगा कि अगली बार ऐसी स्थिति में हम जीत सकते हैं।' वहीं, पहली बार खेल रही इटली की टीम ने भी इंग्लैंड के खिलाफ 203 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जमकर लड़ाई लड़ी और मैच को आखिरी 2 ओवरों तक ले गए।

फुल मेंबर्स का सिस्टम छोड़कर दूसरे देशों से खेलने का फायदा

एसोसिएट टीमों की मजबूती का एक और स्तंभ वे खिलाड़ी हैं जो अपने मूल देश (फुल मेंबर) में मौके न मिलने पर दूसरे देशों का रुख कर रहे हैं। रोलोफ वैन डर मर्वे (साउथ अफ्रीका से नीदरलैंड) और ग्रांट स्टीवर्ट (इंग्लैंड से इटली) इसके बड़े उदाहरण हैं। वैन डर मर्वे ने अब सुनील नरेन से ज्यादा वर्ल्ड कप विकेट चटकाए हैं। यह 'म्युचुअल अरेंजमेंट' छोटी टीमों को अनुभव प्रदान कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्डकप में आखिरी मैच जीता

ओमान को 9 विकेट से हराया, मार्श-हेड ने 93 रन जोड़े

मुंबई, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीत के साथ खत्म किया। टीम ने शुक्रवार को आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में ओमान को 9 विकेट से हरा दिया। कैंडी के पल्लेकेले स्टेडियम में पहले बैटिंग करने उतरी ओमान 104 रन पर सिमट गई। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड ने 93 रन की पार्टनरशिप कर कंगारू टीम को जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया के लिए गेंदबाजी में लेग स्पिनर एडम जम्पा ने 4 विकेट लिए। ग्लेन मैक्सवेल और जैवियर बार्टलेट को 2-2 विकेट मिले। कप्तान मार्श ने फिफ्टी लगाई, वहीं ट्रैविस हेड 32 रन बनाकर आउट हुए। ओमान के लिए वसीम अली ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप-बी में श्रीलंका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हार कर बाहर हो गई। टीम ने आयरलैंड और ओमान को हराया, लेकिन ये अगले राउंड में पहुंचने के लिए काफी नहीं था। टीम 2009 के बाद पहली बार ग्रुप स्टेज को भी पार नहीं कर सकी। 9वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने पहला विकेट गंवाया। ओवर की पहली बॉल शकील अहमद ने गुड लेंथ पर फेंकी। ट्रैविस हेड बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। शकील खुद ही गेंद के नीचे आए और कैच पकड़ लिया। हेड ने 32 रन बनाए और कप्तान मिचेल मार्श के साथ 93 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। 105 रन के टारगेट के सामने ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही ओवर में 14 रन बना दिए।

भारत-पाकिस्तान मैच ने तोड़े डिजिटल व्यूअरशिप रिकॉर्ड

जियोहॉटस्टार पर 16.3 करोड़ यूजर्स ने देखा, ये 2024 वर्ल्ड कप फाइनल से भी ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के हाई-वोल्टेज मुकाबले ने व्यूअरशिप के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच को 16.3 करोड़ यूजर्स ने देखा। यह T20 फॉर्मेट में किसी भी ICC इवेंट के लिए एक मैच की सबसे ज्यादा रीच है। यह मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच को 20 बिलियन मिनट देखा गया है। इसने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 2024 T20 वर्ल्ड कप फाइनल मैच को भी पीछे छोड़ दिया है। यह फाइनल मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया था। मोबाइल पर यह मैच लीग स्टेज का सबसे ज्यादा देखा गया मुकाबला बना। सभी प्लेटफॉर्म मिलाकर कुल

20 अरब मिनट का वॉच टाइम रिकॉर्ड हुआ, जो पिछले संस्करण की तुलना में 42% ज्यादा है। 2024 के भारत-पाकिस्तान मैच की तुलना में भी डिजिटल रीच में 56% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जियोहॉटस्टार के स्पोर्ट्स सेल्स हेड अनूप गोविंदन ने कहा कि यह रिकॉर्ड दर्शकों के जबरदस्त जुड़ाव को दिखाता है। वहीं कंटेंट हेड सिद्धार्थ शर्मा ने इसे देश के टी-20 वर्ल्ड कप के लिए जुनून का सबूत बताया। भारत ने जीत के साथ टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 8-1 कर लिया है। वहीं, भारत अब सुपर-8 में पहुंच चुका है और 21 फरवरी से शुरू हो रहे अगले चरण में खिताब बचाने की चुनौती के साथ उतरेगा। सुपर-8 स्टेज में 4-4 टीमों के 2 ग्रुप बनेंगे। हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 3-3 मैच खेलेगी। यानी एक ग्रुप में 6 मैच होंगे। इस तरह दोनों ग्रुप मिलाकर 12 मुकाबले खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें अगले राउंड में एंट्री करेंगी। सुपर-8 स्टेज में 22 और 26 फरवरी के साथ 1 मार्च को 2-2 मैच खेले जाएंगे। 20 से 28 फरवरी तक बाकी दिन 1-1 मैच ही होगा। 4 मार्च को पहला सेमीफाइनल होगा, वहीं 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले बढ़ी भारत की चिंता

अहमदाबाद। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले के लिए अहमदाबाद में है। दोनों टीमों के बीच ये मैच 2024 विश्व कप के फाइनल की याद दिलाएगा। इस मैच की विजेता टीम सेमीफाइनल के लिए कदम आगे बढ़ाएगी, लेकिन इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले भारत की चिंता बढ़ गई है। विश्व कप से पहले ही टीम खिलाड़ियों की चोट की समस्या से जूझ रही थी। जसप्रीत बुमराह और अभिषेक शर्मा तबीयत खराब होने की वजह से एक मैच में नहीं खेल सके थे, जबकि हर्षित राणा को तो चोट के कारण टूर्नामेंट से ही बाहर होना पड़ा था। हर्षित की जगह मोहम्मद सिराज को खेलने का मौका मिला था। सिराज अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले मैच में खेलने उतरे थे और उन्होंने तीन विकेट भी लिए थे। अब भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना है।

क्रिकेटर राहुल चाहर ने फैशन डिजाइनर पत्नी से तलाक लिया

बोले- कम उम्र में शादी की, इसके लिए बड़ी कीमत चुकानी पड़ी

आगरा। क्रिकेटर राहुल चाहर ने फैशन डिजाइनर पत्नी ईशानी जौहर से तलाक ले लिया है। उन्होंने शुक्रवार को अपने X अकाउंट पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। राहुल उत्तर प्रदेश के आगरा के रहने वाले हैं। उन्होंने 22 साल की उम्र में 9 मार्च, 2022 को ईशानी के साथ गोवा में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। अब शादी के करीब 4 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला लिया है। वहीं, तलाक को लेकर अब तक ईशानी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इसके बाद मेरे जीवन में ऐसे साल आए, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। पिछले 15 महीने मैं अदालत के चक्कर लगाता रहा।

इस दौरान मैंने धैर्य रखना, सहन करना और सच से मिलने वाली ताकत को समझना सीखा। आज मेरे जीवन का वह अध्याय कानूनी तौर पर खत्म हो गया है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह मामला मेरे फैसले के साथ समाप्त हुआ, जिसकी मुझे भारी कीमत चुकानी पड़ी। मैं इस अध्याय को गुस्से या पछतावे के साथ नहीं, बल्कि साफ सोच के साथ बंद कर रहा हूं।

राहुल ने लिखा- मैं अपने जीवन में आगे बढ़ रहा हूं

राहुल चाहर ने 'X' पर लिखा- मैंने कम उम्र में शादी की थी। उस समय मैं खुद को, अपनी कीमत को और उस जीवन को पूरी तरह नहीं समझ पाया था, जिसे मैं सच में बनाना चाहता था।

2022 में दोनों की शादी हुई थी

राहुल चाहर और ईशानी की मुलाकात शादी से 4 साल पहले कॉमन दोस्तों के जरिए हुई थी। यहीं से दोनों की जान-पहचान शुरू हुई। धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ीं और दोस्ती प्यार में बदल गई।

> राहुल ने लिखा कि कम उम्र में शादी होने से वह खुद को और अपने जीवन की दिशा को पूरी तरह समझ नहीं पाए थे। पिछले 15 महीने अदालतों के चक्कर लगाते हुए बीते। उन्होंने लिखा, सारी कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह मामला मेरे फैसले के साथ समाप्त हुआ, लेकिन इसके लिए मुझे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

मनोरंजन

दूसरी बार दूल्हा बनने जा रहे हैं शिखर धवन

हल्दी और चूड़ा सेरेमनी में छाईं विदेशी दुल्हनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

मशहूर क्रिकेटर शिखर धवन दूसरी बार शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। वह अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड सोफी शाइन (Sophie Shine) के साथ शादी करने जा रहे हैं। शिखर धवन ने पिछले महीने ही सोफी शाइन के साथ इंगेजमेंट की थी। तभी से फैंस उनकी शादी का इंतजार कर रहे थे। अब उनकी शादी की रस्में भी शुरू हो गई हैं। परसों उनकी संगीत सेरेमनी हुई और अब कपल की हल्दी और चूड़ा सेरेमनी की फोटोज सामने आई हैं। शिखर धवन की विदेशी दुल्हनिया ने हिंदू वेडिंग प्री-वेडिंग फंक्शंस में जान डाल दी। उन्होंने प्री-वेडिंग सेरेमनी

से तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह अपने होने वाले पति शिखर के साथ रोमांटिक पोज दे रही हैं। बता दें कि सोफी शाइनी के साथ 40 साल के शिखर धवन की दूसरी शादी होने जा रही है। इससे पहले उन्होंने मेलबॉर्न बेस्ड आयशा मुखर्जी से शादी थी जिनसे उन्हें एक बेटा भी है। दोनों 2021 को अलग हो गए थे और 2023 में उनका ऑफिशियल तलाक हो गया था।

ट्रेडिशनल लुक में कहर ढा रहीं सोफी

हल्दी सेरेमनी में सोफी शाइन ट्रेडिशनल लुक में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने लाल रंग का लहंगा, स्लीवलेस चोली पहना और अपनी ड्रेस को येलो दुपट्टा से स्टाइल किया। उन्होंने ग्रीन ईयरिंग्स के साथ अपने लुक को और खूबसूरत बनाया।

अलग अंदाज में सोफी ने मनाई हल्दी सेरेमनी

एक तस्वीर में वह अपनी हेल्दी सेरेमनी को एन्जॉय करती हुई दिख रही हैं। इस सेरेमनी में हल्दी की जगह पीले फूलों का इस्तेमाल किया गया। वहीं एक फोटो सोफी की चूड़ा सेरेमनी की है जिसमें वह अपना कलीरा भी फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक तस्वीर में वह व्हाइट कुर्ता-पायजामा और येलो नेहरू जैकेट पहने शिखर के साथ पोज दे रही हैं।

'धुरंधर' की शूटिंग के दौरान रोए थे अक्षय खन्ना-अर्जुन रामपाल

आर. माधवन ने बताया- 26/11 हमले के रीक्रिएशन सीन के बाद इमोशनल हुए थे

मुंबई, एजेंसी

फिल्म 'धुरंधर' में 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के रीक्रिएशन वाले सीन की शूटिंग के बाद एक्टर अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल बुरी तरह रो पड़े थे। यह बात फिल्म में उनके को-स्टार आर. माधवन ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में बताई। दरअसल, आर. माधवन ने हाल ही में सोनिया शेनॉय के साथ पॉडकास्ट में कहा कि जब वह सीन फिल्माया जा रहा था, जिसमें बॉम्बे पर हमला दिखाया गया था, तो आसपास मौजूद लोगों के चेहरे देखने लायक थे। उन्होंने एक दिलचस्प घटना का जिक्र करते हुए बताया कि जब कलाकार वह सीन निभा रहे थे, जिसमें वे बॉम्बे पर हुए हमले का जश्न मनाते हुए दिख रहे थे, तब सभी भारतीय कलाकार पाकिस्तानी किरदार निभा रहे थे। सीन खत्म होने के बाद वे सब बुरी तरह टूटकर रो पड़े, क्योंकि वे उस दौर से गुजर चुके थे। 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई 'धुरंधर' का निर्देशन आदित्य धर ने किया था। यह साल 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ते

हुए दुनिया भर में 1,300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। फिल्म में अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल के अलावा रणवीर सिंह और संजय दत्त भी नजर आए थे। फिल्म की कहानी एक भारतीय इंटेलिजेंस ऑपरेटिव के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कराची के अपराध जगत में घुसकर देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाले आतंकी नेटवर्क को खत्म करने की कोशिश करता है। वहीं, फिल्म 'धुरंधर' का दूसरा पार्ट 19 मार्च को रिलीज होगा।

दावा : सोमवार तक डिस्चार्ज हो सकते हैं सलीम खान

मुलाकात के बाद हेल्थ अपडेट देते हुए एजाज खान बोले- हालत में सुधार हो रहा है

मुंबई, एजेंसी

सलमान खान के पिता और दिग्गज स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान को ब्रेन हेमरेज के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। बुधवार को लीलावती अस्पताल के डॉक्टर ने सलीम खान की हेल्थ अपडेट दी थी। हालांकि, उसके बाद कथित तौर पर परिवार की ओर से कोई मेडिकल अपडेट पब्लिक न करने की बात कही गई, जिसके बाद उनकी हेल्थ को लेकर कोई आधिकारिक अपडेट सामने नहीं आया। वहीं, जी न्यूज की रिपोर्ट में शुक्रवार को दावा किया गया कि एक्टर एजाज खान ने सलीम खान से मुलाकात के बाद बताया कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। सलीम खान फिलहाल ICU में हैं और सब ठीक रहा तो सोमवार तक

वह डिस्चार्ज हो जाएंगे। बता दें कि सलीम खान की तबीयत का हाल लेने लीलावती अस्पताल में परिवार के अलावा सेलेब्स भी पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को रणवीर सिंह, फराह खान और यूलिया वंतूर जैसे सेलेब्स अस्पताल पहुंचे। रणवीर सिंह, जिन्हें हाल ही में लॉरेंस गैंग से धमकी मिली थी, बढ़ी हुई सुरक्षा के बीच अस्पताल पहुंचे। उनके साथ सुरक्षा काफिला भी मौजूद रहा। डॉक्टरों ने बताया था कि प्रक्रिया के बाद सलीम खान की हालत स्थिर रही। उन्हें कुछ समय तक निगरानी में रखने का फैसला लिया गया। मेडिकल टीम लगातार उनकी रिकवरी पर नजर बनाए हुए है। वहीं, शुक्रवार को जानकारी सामने आई कि सलीम खान का परिवार चाहता है कि उनकी हेल्थ से जुड़ी जानकारी प्राइवेट रखी जाए। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को अस्पताल के सार्वजनिक बयान से सलमान खान और उनका परिवार नाराज था। परिवार के करीबी सूत्र ने कहा कि सेहत निजी मामला है और मीडिया से बात परिवार पर छोड़नी चाहिए। सलीम खान 90 साल के हैं। उनका जन्म 24 नवंबर 1935 को हुआ था। वे हिंदी सिनेमा के दिग्गज स्क्रिप्ट राइटरों में शुमार हैं। सलीम खान ने अपने करियर की शुरुआत एक्टिंग से की थी।

रणवीर सिंह को मिली धमकी के मामले में एक्शन

लॉरेंस गैंग के सदस्य के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी, एक्टर से ₹20 करोड़ मांगे थे

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को कथित रूप से 20 करोड़ रुपये की फिरौती की धमकी दिए जाने के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस ने लॉरेंस गैंग से जुड़े संदिग्ध सदस्य हैरी बॉक्सर के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (LOC) जारी कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने खुद को हैरी बॉक्सर बताते हुए व्हाट्सएप वॉयस नोट के जरिए धमकी दी थी। धमकी वाले ऑडियो को तकनीकी जांच और आवाज के मिलान के लिए पंजाब और हरियाणा की एजेंसियों को भेजा गया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि संदेश विदेश से भेजा गया या देश के भीतर से। धमकी के मद्देनजर रणवीर सिंह और उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण ने निजी सुरक्षा भी बढ़ा दी है। अभिनेता के आवास पर छह हथियारबंद सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं।

दूसरी धमकी से बढ़ी चिंता

13 फरवरी को रणवीर सिंह और रोहित शेट्टी को एक और ऑडियो क्लिप के जरिए धमकी मिली। क्लिप में बोलने वाले ने खुद को हैरी बॉक्सर बताते हुए कहा कि उनकी "ताकत के आगे सात पुश्तें भी कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगी" और सभी मैनेजरों की गतिविधियों की जानकारी होने का दावा किया। उसने चेतावनी दी कि यदि मांग पूरी नहीं हुई तो एक-एक मैनेजर को निशाना बनाया जाएगा। सोशल मीडिया पर ऑडियो क्लिप वायरल होने के बाद मुंबई पुलिस ने दोनों हस्तियों के मैनेजरों के बयान दर्ज किए और जांच को तेज कर दिया।

> मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह धमकी 2 फरवरी को उस घटना के बाद मिली जब निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की वारदात हुई थी। हालांकि, इस पूरे मामले की जानकारी 10 फरवरी को सार्वजनिक हुई। धमकी के बाद अभिनेता के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई और मामले की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई।

मैनेजर के नंबर पर आया वॉयस नोट

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, धमकी भरा वॉयस नोट रणवीर सिंह के मैनेजर के फोन नंबर पर भेजा गया था। संदेश में 20 करोड़ रुपये की मांग की गई और अंजाम भुगतने की चेतावनी दी गई। जांच में सामने आया है कि ऑडियो क्लिप भेजने के दौरान वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (VPN) का इस्तेमाल किया गया, ताकि आरोपी की लोकेशन और नेटवर्क पहचान छिपाई जा सके।

सेना अब सरकार नहीं चलाती, इतिहास में दखल था, अब सिस्टम अलग है

मुनीर मेरे बॉस नहीं : ख्वाजा आसिफ

म्यूनिख, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि फील्ड मार्शल आसिम मुनीर उनके बॉस नहीं हैं। उन्होंने साफ किया कि उनके बॉस प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं। 18 फरवरी को फ्रांस 24 इंग्लिश को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया था कि क्या आसिम मुनीर ही पाकिस्तान की सरकार चला रहे हैं। उन्होंने माना कि अतीत में सेना ने सीधे शासन संभाला था। ख्वाजा आसिफ ने इससे पहले पिछले साल दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि पाकिस्तान में सरकार और सेना मिलकर देश चलाते हैं। आसिफ ने कहा था कि पाकिस्तान को हाइब्रिड मॉडल से चलाया जा रहा है। आसिफ पहले भी कई बार हाइब्रिड मॉडल की तारीफ कर चुके हैं। अरब न्यूज को दिए एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान का पॉलिटिकल सिस्टम आदर्श लोकतंत्र नहीं, लेकिन जरूरी है। उन्होंने कहा था कि यह मॉडल पाकिस्तान की

आर्थिक और शासन की समस्याओं को हल करने में 'कमाल' कर रहा है। आसिफ ने यह भी कहा कि भारत के साथ युद्ध की संभावना अभी भी खत्म नहीं हुई है। आसिफ ने कहा है कि फिलिस्तीनियों को उनका हक मिले बिना इजराइल से रिश्ते सामान्य करने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने साफ किया कि पाकिस्तान अभी इस विकल्प पर विचार भी नहीं कर रहा है। गाजा में संभावित अंतरराष्ट्रीय शांति मिशन में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर उनसे सवाल किया गया। इस पर आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान की भागीदारी इस बात पर निर्भर करेगी कि उस शांति बल के लिए किस तरह की शर्तें तय की जाती हैं।

" आसिफ ने कहा, पाकिस्तान का एक सिस्टम है। हमारे इतिहास में ऐसे दौर रहे हैं, जब सेना का सरकार पर नियंत्रण रहा। एक समय ऐसा भी था जब सेना ने दखल देकर सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ले ली थी। उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान अफगानिस्तान से खतरे, आतंकवाद, भारत के साथ तनाव और कमजोर अर्थव्यवस्था जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे हालात में पाकिस्तानी सेना सरकार का समर्थन कर रही है।

भारत-अफगानिस्तान पर प्रॉक्सी वॉर चलाने का आरोप लगाया

ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और काबुल की सोच एक जैसी है। आसिफ ने कहा जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान अफगानिस्तान में दोबारा कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान की ओर से शांति की कोई ठोस गारंटी नहीं मिलती है, तो पाकिस्तान वहां नए हमले करने से पीछे नहीं हटेगा।

आतंकी हमलों के लिए काबुल को जिम्मेदार ठहराया

इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद में हाल ही में हुए बम धमाके का जिक्र करते हुए आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लगभग सभी बड़े आतंकी संगठनों की मौजूदगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आतंकवाद रोकने में काबुल सरकार गंभीर नहीं है। उनके मुताबिक इसे सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि मिलीभगत कहना ज्यादा सही होगा। 6 फरवरी को नमाज के दौरान हुए इस आत्मघाती हमले में 31 लोगों की मौत हो गई और 169 लोग घायल हुए। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह ने ली है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील फरवरी के अंत तक फाइनल होगी

मार्च में हस्ताक्षर होंगे, 1 अप्रैल से लागू होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 20 फरवरी को बताया कि अमेरिका के साथ 'अंतरिम व्यापार समझौता' फरवरी के अंत तक फाइनल हो जाएगा। मार्च में इस पर हस्ताक्षर होंगे, वहीं अप्रैल से ये समझौता पूरी तरह लागू हो जाएगा। इसके साथ ही भारत आने वाले कुछ महीनों में दुनिया के बड़े देशों साथ व्यापारिक समझौतों पर अंतिम मुहर लगाएगा। 23 फरवरी से भारत और अमेरिका के अधिकारी अमेरिका में तीन दिनों की अहम बैठक करेंगे। इस बैठक का मकसद 7 फरवरी को जारी 'जॉइंट स्टेटमेंट' के आधार पर कानूनी ड्राफ्ट तैयार करना है।वाणिज्य मंत्रालय के चीफ नेगोशिएटर दर्पण जैन भारतीय डेलिगेशन का नेतृत्व करेंगे। उम्मीद है कि टैक्स में 25% से 18% की कमी का आधिकारिक आदेश इसी हफ्ते या अगले हफ्ते तक आ जाएगा। इससे भारत के कपड़ा, चमड़ा और जेम्स-ज्वैलरी जैसे सेक्टर को फायदा

होगा। कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने 7 फरवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के साथ ट्रेड डील की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है। पीयूष गोयल ने साफ किया कि इस समझौते में जेनेटिकली मॉडिफाइड (GM) फूड को भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने कहा- यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 27.18 लाख करोड़ रुपए) के बाजार को खोलेगा।

फास्ट न्यूज

स्विट्जरलैंड 1 करोड़ की आबादी के बाद रोक देगा एंट्री

ज्यूरिख। यूरोप का समृद्ध और अनुशासित देश अब एक असाधारण फैसले की दहलीज पर खड़ा है। 14 जून 2026 को स्विट्जरलैंड में जनमत संग्रह होगा, जिसमें तय किया जाएगा कि 2050 तक देश की कुल स्थायी आबादी अधिकतम 1 करोड़ पर सीमित की जाए या नहीं। यह प्रस्ताव दक्षिणपंथी दल स्विस पीपुल्स पार्टी ने आगे बढ़ाया है।

भारतीय मूल की आशा शर्मा माइक्रोसॉफ्ट गेमिंग की सीईओ बनीं

सैन फ्रांसिस्को। भारतीय मूल की आशा शर्मा को माइक्रोसॉफ्ट गेमिंग का नया सीईओ नियुक्त किया गया है। वे लंबे समय से इस पद को संभाल रहे फिल स्पेंसर की जगह लेंगी। स्पेंसर लगभग 40 साल तक कंपनी के साथ रहने के बाद रिटायर हो रहे हैं। आशा शर्मा माइक्रोसॉफ्ट गेमिंग की कमान संभालने से पहले कंपनी के ही एआई प्लेटफॉर्म और प्रोडक्ट लीडरशिप टीम का हिस्सा थीं। इससे पहले वे मशहूर डिलीवरी फर्म 'इंस्टाकार्ट' में चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर और 'मेटा' में प्रोडक्ट लीडरशिप जैसे अहम पदों पर रह चुकी हैं।

कनाडा सरकार 296 गैंगस्टर डिपोर्ट करेगी

लुधियाना। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के प्रमुख आरोपी गैंगस्टर गोल्डी बराड़ समेत कई अन्य गैंगस्टरों को कनाडा से डिपोर्ट करने की तैयारी चल रही है। कनाडा सरकार ने अवैध तरीके या रिफ्यूजी बनकर रहने वाले गैंगस्टरों को डिपोर्ट करने की मुहिम शुरू की है। इसके लिए कनाडा में रंगदारी व फायरिंग की घटनाओं को अंजाम देने वालों का सर्वे किया जा रहा है।

फोन-पे से बिना पिन डाले होंगे यूपीआई पेमेंट

फिंगरप्रिंट और फेस आईडी से कर सकेंगे ₹5000 तक का भुगतान

नई दिल्ली, एजेंसी

डिजिटल पेमेंट दिग्गज फोन-पे (PhonePe) ने अपने यूजर्स के लिए एक खास फीचर लॉन्च किया है। अब यूपीआई (UPI) ट्रांजेक्शन करने के लिए बार-बार 4 या 6 अंकों का पिन (PIN) डालने की जरूरत नहीं होगी। यूजर्स अपने स्मार्टफोन के बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन यानी फिंगरप्रिंट या फेस आईडी का इस्तेमाल करके सीधे भुगतान कर सकेंगे फोन-पे ने बताया कि इस फीचर का मकसद पेमेंट को पहले से ज्यादा सुरक्षित और आसान बनाना है। फिलहाल यह सुविधा एंड्रॉयड यूजर्स के लिए शुरू की गई है, जिसे जल्द ही आईफोन (iOS) यूजर्स के लिए भी रोलआउट किया जाएगा। फोन-पे के अनुसार अक्सर भीड़भाड़ वाली जगहों पर पेमेंट करते समय

'शोल्डर सर्फिंग' (पीछे से किसी का पिन देख लेना) का खतरा रहता था। बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से यह रिस्क पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इसके अलावा, कई बार यूजर्स अपना यूपीआई पिन भूल जाते हैं या गलत टाइप कर देते हैं, जिससे ट्रांजेक्शन फेल हो जाता है। कंपनी ने इस 'वन-टच' पेमेंट मेथड के लिए एक लिमिट तय की है। यूजर्स बायोमेट्रिक के जरिए 5,000 तक के ट्रांजेक्शन कर पाएंगे। सुरक्षा के मद्देनजर, अगर भुगतान की राशि 5,000 से ज्यादा होती है।

ग्रुप फोटो में भी सबसे पीछे दिखे, सोशल मीडिया पर शहबाज का मजाक उड़ा

ट्रम्प के एक इशारे पर पाकिस्तानी पीएम खड़े हुए

वॉशिंगटन, एजेंसी

पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और ट्रम्प के बीच हुई मुलाकात सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल, शहबाज बोर्ड ऑफ पीस समिट में शामिल होने पहुंचे थे। लेकिन उन्हें वहां पर ज्यादा तवज्जो नहीं मिली। इसे लेकर उनका मजाक भी बन रहा है। गाजा को लेकर हुई पहली बैठक में शहबाज पीछे की कतार में और अलग-थलग नजर आए। एक पल तो ऐसा भी आया जब ट्रम्प ने भाषण देते हुए शहबाज को इशारा किया और वे तुरंत अपनी सीट से खड़े भी हो गए। एक और वायरल वीडियो में शहबाज, ट्रम्प को गले लगाने की

कोशिश करते हुए भी दिखाई देते हैं। इस घटना का VIDEO सोशल मीडिया पर स्क्रीनशॉट वायरल हो गए और लोग सरकारी स्तर की प्रूफरीडिंग पर सवाल उठाने लगे। पिछले साल इजराइल के ईरान पर हमले की निंदा करते समय शरीफ ने आई कंडेम (I condemn) की जगह आई कंडोम 'I condom' लिख दिया था, जिसे तब काफी ट्रोल किया गया।

सबसे पीछे नजर आए पाकिस्तानी पीएम

वॉशिंगटन पहुंचने के बाद भी हालात आसान नहीं रहे। ग्रुप फोटो में शरीफ मुश्किल से दिखाई दे रहे थे। ट्रम्प आगे की कतार में खड़े थे, उनके साथ उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो थे। सऊदी अरब, इंडोनेशिया और कतर के नेता उनके ठीक पीछे खड़े थे।

ट्रम्प ने मंच से कहा- 'पाकिस्तान और भारतङ्ग यह बड़ा मामला था। आपको खड़ा होना चाहिए, कृपया एक पल के लिए खड़े हो जाइए।' यह सुनते ही शरीफ तुरंत खड़े भी हो गए। इस दौरान शहबाज बेहद असहज दिखे। सोशल मीडिया पर इसे 'स्कूल असेंबली वाला मोमेंट' कहा गया यानी जब टीचर खड़ा होने को कहे और छात्र तुरंत खड़ा हो जाए।

शहबाज के दौरे की 'गड़बड़ी' से शुरुआत

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में गुरुवार को बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक हुई थी। इसमें करीब 40 देशों के अधिकारी शामिल हुए थे। भारत भी इसमें पर्यवेक्षक के तौर पर शामिल हुआ था। शरीफ की अमेरिका यात्रा की शुरुआत ही विवादों से हुई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान में कई टाइपो थे।

एनएएसए ने माना- सुनीता का अंतरिक्ष में फंसना खतरनाक था

इसे कल्पना चावला के साथ हुए हादसे जैसा माना, घटना को गंभीर कैटेगरी में रखा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने माना कि सुनीता विलियम्स का अंतरिक्ष में फंसना खतरनाक था। नासा ने इस मिशन को दुर्घटना की टाइप ए कैटेगरी में रखा गया है। इसी कैटेगरी को दुर्घटना की सबसे गंभीर कैटेगरी माना जाता है। चैलेंजर और कोलंबिया शटल दुर्घटनाओं के लिए भी इसी कैटेगरी का इस्तेमाल किया गया था। कोलंबिया शटल दुर्घटना में ही भारत की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला का निधन हुआ था। 19 फरवरी 2026 को जारी 311 पेज की रिपोर्ट में नासा के प्रशासक जेरेड इसाकमान ने लिखा- सुनीता विलियम्स के मिशन में गंभीर खामियां थी। उन्होंने कमियों को नजरअंदाज करने के लिए एजेंसी और बोइंग की कड़ी आलोचना की। दरअसल, सुनीता विलियम्स साल 2024 में 8

दिन के मिशन पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पहुंची थीं, लेकिन तकनीकी कारणों से उनकी वापसी में 9 महीने से ज्यादा समय लग गया था। NASA की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने 27 साल के बाद रिटायरमेंट लिया है। उनका रिटायरमेंट 27 दिसंबर 2025 से लागू हुआ। हालांकि NASA ने इसकी घोषणा 20 जनवरी को की थी। सुनीता 27 साल पहले 1998 में नासा से जुड़ी थीं। उन्होंने NASA के 3 मिशन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए। पहली बार वह 9 दिसंबर 2006 में अंतरिक्ष में गई थी। सुनीता ने अंतरिक्ष में 9 स्पेसवॉक की। इस दौरान उन्होंने 62 घंटे 6 मिनट तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री में सबसे ज्यादा है। सुनीता पिछले महीने भारत दौरे पर आईं थीं। उन्होंने दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में हिस्सा भी लिया था। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। भारत आना घर वापसी जैसाः भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा लगता है, क्योंकि उनके पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से थे।

बाइक सवार बदमाशों ने चलती कार के शीशे पर अंडे फेंके, वीडियो सामने आया

तलवार लेकर लुटेरों के पीछे दौड़ी एनआरआई महिला

लुधियाना, एजेंसी

पंजाब में सोशल मीडिया पर एक NRI महिला की दिलेरी का वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो लुधियाना के डेहलों का है। वीडियो में महिला लुटेरों के पीछे तलवार लेकर दौड़ रही है। दावा किया जा रहा है कि यह महिला NRI है। वह ऑस्ट्रेलिया से आई है। वीडियो में मोटरसाइकिल सवार 2 लुटेरे कार के शीशे पर अंडे मारकर कार सवार महिलाओं को लूटने की कोशिश करते हैं। इतने में कार चला रही NRI महिला तलवार लेकर बाहर निकलने लगती है तो उसके साथ बैठी एक बुजुर्ग महिला उसे रोकने की कोशिश करती है। महिला हाथ में तलवार लेकर बाहर निकलती है और लुटेरों का पीछा

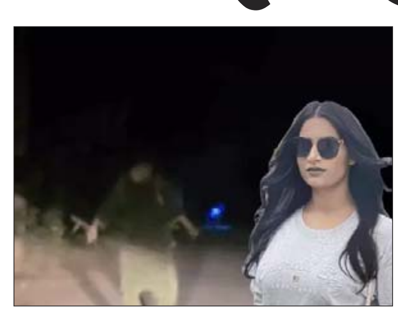

करते हुए दौड़ने लगती है। यही नहीं महिला लुटेरों को ललकार रही है। इस पूरी घटना को कार में बैठी अन्य महिला ने शूट किया है। ऑस्ट्रेलिया की बताई जा रही महिलाः वीडियो में जो महिला तलवार लेकर लुटेरों का पीछे करते हुए दिखाई गई है, उसे ऑस्ट्रेलिया में रहने वाली बताया गया है। वीडियो के कैप्शन के मुताबिक, महिला का नाम हरजिंद कौर है। यह घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। महिला की कार के शीशे पर जब लुटेरे युवकों ने अंडे मारे तो कार में बैठी दूसरी बुजुर्ग महिला NRI महिला को कहते हुए सुनाई दे रही है- मैंने पहले कह दिया था कि यह सड़क सुनसान है, यहां से मत चल। वह कह रही कि शीशे पर अंडा फेंक दिया है, ताकि लूट की घटना को अंजाम दिया जा सके। बुजुर्ग महिला NRI महिला को गाड़ी में से बाहर निकलने से रोकने की कोशिश करती है और कहती है कि बेटा बाहर न निकल, वे तुझे मार देंगे। NRI महिला पहले उन्हें गालियां देती है और फिर कहती है।

वीडियो के असली होने पर शक, इसके 4 कारण

महिला का चेहरा नहीं दिखाया : जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, उसमें बहादुरी दिखाने वाली महिला का चेहरा स्पष्ट नहीं दिखाई दे रहा है। महिला को केवल पीछे से कैप्चर किया गया है।

सामने से आता हुआ मोटर साइकिल भी रुक गया : जब महिला तलवार लेकर जा रही है, तब सामने से एक मोटरसाइकिल की लाइट उसकी तरफ आते हुए दिख रही है, लेकिन जब वह तलवार लेकर चल रही होती है तो वह मोटरसाइकिल भी कुछ दूरी पर रुक जाती है।

महिला को वापस आते नहीं दिखाया : 1.10 मिनट के वीडियो में महिला को सिर्फ लुटेरों की ओर दौड़ते हुए दिखाया गया है। उसे वापस आते हुए नहीं दिखाया।

कमेंट में लोग बता रहे स्क्रिप्टेड : सोशल मीडिया पर लोग यह भी कमेंट कर रहे हैं कि यह वीडियो स्क्रिप्टेड लग रहा है। इसमें न तो लूटने की कोशिश करने वाले युवकों का चेहरा दिख रहा है और न ही पीछा करने वालों का।

तेजी : सोना ₹2,300 बढ़कर ₹1.55 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, चांदी ₹8,000 महंगी हुई

इस हफ्ते सोने-चांदी में बढ़त रही

नई दिल्ली/लखनऊ। सर्राफा बाजार में इस हफ्ते फिर तेजी देखने को मिली है। सोने की कीमत 2,300 रुपए बढ़कर 1.55 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले 13 फरवरी को इसका भाव 1.53 लाख रुपए था। वहीं चांदी की कीमत 2.42 लाख रुपए प्रति किलो से बढ़कर 2.50 लाख रुपए प्रति किलो हो गई है। यानी एक हफ्ते में 8,000 रुपए की बढ़त दर्ज की गई। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक हालात और निवेश की सुरक्षित मांग के चलते कीमती धातुओं में आगे भी उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। ऐसे में खरीदारी से पहले पूरी जानकारी लेना जरूरी है।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1 सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा Bureau of Indian Standards (BIS) का हॉलमार्क लगा सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। हॉलमार्क नंबर अल्फान्यूमेरिक होता है, जैसे AZ4524। इससे सोने की शुद्धता और कैरेट की जानकारी मिलती है।

2 कीमत जरूर क्रॉस चेक करें

सोने का सही वजन और उस दिन का ताजा भाव विश्वसनीय स्रोतों से जांच लें। उदाहरण के लिए India Bullion and Jewellers Association (IBJA) की वेबसाइट पर रोजाना रेट जारी होते हैं। ध्यान रखें कि 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट सोने की कीमत अलग-अलग होती है।

2026 में अब तक कितनी बढ़ोतरी?

इस साल सोने-चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। 2026 में अब तक सोना करीब 22,000 रुपए और चांदी 20,000 रुपए महंगी हो चुकी है।

29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी ने 3.86 लाख रुपए प्रति किलो का ऑल टाइम हाई बनाया था।

2025 रहा रिकॉर्ड साल

पिछला साल कीमती धातुओं के लिए ऐतिहासिक रहा।

31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार रुपए था, जो 31 दिसंबर 2025 को बढ़कर 1.33 लाख रुपए हो गया। यानी 57 हजार रुपए (करीब 75%) की तेजी।

चांदी 86 हजार रुपए प्रति किलो से बढ़कर 2.30 लाख रुपए प्रति किलो पहुंच गई। यानी 1.44 लाख रुपए (करीब 167%) की बढ़ोतरी।

1 अप्रैल से कैश में टोल नहीं दे पाएंगे

नकद लेनदेन पूरी तरह बंद करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) देश के टोल प्लाजा को पूरी तरह डिजिटल बनाने की तैयारी कर रही है। 1 अप्रैल 2026 से नेशनल हाईवे के सभी टोल प्लाजा पर कैश ट्रांजेक्शन को पूरी तरह बंद किया जा सकता है। इसके बाद टोल का भुगतान केवल फास्टैग (FASTag) या UPI जैसे डिजिटल माध्यमों से ही हो सकेगा। NHAI का उद्देश्य टोल ऑपरेशन को ज्यादा पारदर्शी और सही बनाना है। अभी देश के 1,150 से ज्यादा टोल प्लाजा पर इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम लागू है। NHAI के अनुसार टोल प्लाजा पर कैश पेमेंट की वजह से अक्सर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है। खास तौर पर पीक ऑवर्स (भीड़ वाले समय) में

नकद लेनदेन के कारण गाड़ियों की लंबी लाइन लग जाती हैं और छुट्टे पैसों को लेकर विवाद भी होते हैं। डिजिटल पेमेंट पूरी तरह अनिवार्य होने से ये समस्या नहीं रहेगी। देश में फास्टैग का इस्तेमाल काफी तेजी से बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार, फिलहाल 98% से ज्यादा वाहनों में फास्टैग लगा हुआ है। नेशनल हाईवे शुल्क नियमों के मुताबिक, अगर कोई वाहन बिना एक्टिव फास्टैग के टोल प्लाजा की फास्टैग लेन में जाता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96